HEMWATI NANDAN BAHUGUNA POSTGRADUATE COLLEGE KHATIMA

(Affiliated to Kumaun University, Nainital)

NAAC Accredited with Grade "C"

BEYOND THE CAMPUS ENVIRONMENTAL PROMOTION ACTIVITIES

स्वच्छता विषय पर नुक्कड़ नाटक

दिनांक 27 नवंबर 2018 को राष्ट्रीय सेवा योजना की तत्वधान में और बी०एड विभाग के छात्र–छात्राओं द्वारा ग्राम भूड मोहलिसा के ग्रामीणों के समक्ष स्वच्छता विषय पर एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। जिसमें थारू जनजाति बाहुल्य गांव में ग्राम वासियों को स्वच्छता का महत्व एवं लापरवाही से जनित बीमारियों जैसे डायरिया, पेचिश इत्यादि अन्य बीमारियों के होने वाले असर को हास्य रूप में नुक्कड़ नाटक के साथ प्रस्तुत किया। इस अवसर पर स्वयंसेवी प्रमोद गहतोड़ी, पारस अग्रवाल, सुमित बहादुर पाल, दीपक बिष्ट, प्रियंका राणा, मनीष पांडे, कविता आर्य सामंत, डॉ अंजना भट्ट, डॉ रेखा देवी, डॉ विपिन चंद्र भट्ट आदि उपस्थित रहे।

पर्यावरण दिवस

दिनांक 05 जून 2018 हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवी द्वारा एवं बी0एड विभाग के छात्र अध्यापक व छात्राअध्यापिका ने महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के छात्र–छात्राओं द्वारा महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे जैसे पेंडुला अशोक फाइकस मोरपंखी बोतल प्लान को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर सी पुरोहित जी के संरक्षण में वृक्षारोपण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न किया जिसमें वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ अंजना भट्ट, डॉ धीरज गहतोड़ी, डॉ के0 के मिश्रा, डॉ रेखा देवा, डॉ बबीता, डॉ गीता, डॉ डी0के चंदोला आदि उपस्थित थे

प्लास्टिक उन्मूलन

आज दिनांक 2019–20 को महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वधान में महा विद्यालय परिसर में प्लास्टिक उन्मूलन विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता महाविद्यालय से महाविद्यालय में प्राचार्य डॉक्टर आर0सी पुरोहित ने कि उक्त कार्यक्रम को राज्य सरकार व केंद्र सरकार की कोविड के नियम को ध्यान में रखते हुए कराया गया जिसमें प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि प्लास्टिक समानों की दैनिक जीवन का इतना ज्यादा हिस्सा बन गया कि उसकी खुद की स्वास्थ्य के साथ–साथ पूरी पृथ्वी एवं इसके जीवो पर भी पड़ रहा है।

मानव द्वारा निर्मित यह प्लास्टिक हिमालय से लेकर संबंधित तलहटी तक फैला जिसका दुष्प्रभाव में अब देखने को मिल रहा है। राष्ट्रीय सेवा योजना की वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ डी0के चंदोला ने कहा कि प्लास्टिक एक ऐसा पदार्थ है

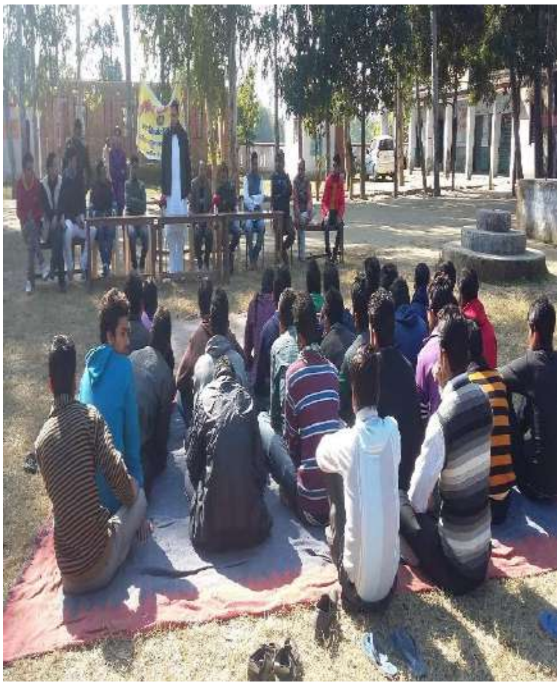

जो धरती पर रहने के बावजूद भी खत्म नहीं होता है। प्लास्टिक का उपयोग दैनिक जीवन में इतना बढ़ गया है कि मानव शरीर में प्लास्टिक का पाया जाना सामान्य बात हो गई और इस प्रकार स्वयंसेवक इस कार्यक्रम को सफल किया है। इसमें डॉ अंजना, डॉ0मिश्रा, डॉ पांडे, डॉ प्रमोद कांडपाल, डॉ रीना सिंह, आशुतोष कुमार सम्मिलित है।

प्लास्टिक उन्मूलन अभियान

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मैं दिनांक 20/8/2019 को महाविद्यालय परिसर में प्राचार्य डा० आर०सी पुरोहित जी की अध्यक्षता में केंद्र एवं राज्य सरकार के कोविड–19 अनुपालन करते हुए बी0एड, योग एवं एनएसएस इकाइयों द्वारा प्लास्टिक उन्मूलन अभियान चलाया गया जिसमें छात्र–छात्राओं ने महाविद्यालय एवं उससे सटे आसपास के क्षेत्रों में प्लास्टिक बटोर कर तथा निस्तारण करने के लिए भेजा तथा लोगों के निवास स्थलों में जाकर प्लास्टिक के दुष्प्रभाव की जानकारी दी। इस अवसर पर वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ डी0के चंदोला, कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजना भट्ट, कार्यक्रम अधिकारी छात्र इकाई डॉ विपिन चंद्र भट्ट, डॉ प्रमोद कांडपाल, डॉ डी0के मिश्रा आदि उपस्थित थे और अध्यापकों ने उपस्थित स्वयंसेवकों और छात्र छात्राओं को अपने व्याख्यान में प्लास्टिक से होने वाले पर्यावरण के बारे में जानकारी प्रदान की।

साफ एवं स्वच्छ परिसर के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता

दिनांक 25/9/2019 को हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में एनएसएस के तत्वाधान में साफ एवं स्वच्छ परिसर के अंतर्गत बी0एड विभाग की छात्राओं के सहयोग से एक रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन कोविड–19 नियमों का अनुपालन करते हुए बी०एड सभागार में आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में एनएसएस की छात्राओं और छात्रा तथा बी०एड के छात्र अध्यापिकाओं ने अपने मनोभावों को सुन्दर रंगोली सजाकर कर प्रस्तुत किया है।

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्र–छात्राओं के मन में पडे कोरोना के प्रभाव को कम कर जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न करने के लिए किया गया। जिसमें मुख्य निर्णायक क रूम में डॉ रेखा देव, डॉ अंजना भट्ट एवं डॉ गीता के अलावा प्राचार्य डॉ आर सी पुरोहित, डॉ डी0के चंदोला, डॉ के0 के मिश्रा उपस्थित थे।

संक्रमित बीमारियों के विरुद्ध जागरूकता अभियान

दिनांक 17/10/2019 को महाविद्यालय परिसर में प्राचार्य महोदय डॉक्टर आरसी पुरोहित एवं वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ डीके चंदोला की उपस्थिति में संक्रमण से फैलने वाली बीमारियों विशेष तौर पर कोविड–19 के संदर्भ में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन केंद्र और राज्य सरकार के कोविड–19 नियमों की सख्ती से अनुपालन करते हुए किया गया। जिसमें कोरोना जैसी महामारी के फैलने के कारणों एवं इससे पढ़ने वाले मानसिक दुष्प्रभाव के असर को दूर करने के उपाय पर चर्चा की गई। इस अवसर पर जंतु विज्ञान प्रभारी डॉ नेगी इस पर अपना विशेष तकनीकी व्याख्यान प्रस्तुत किया शिक्षाशास्त्र की डॉ पमिता सामंत ने छात्र–छात्राओं को कोरोना से मानसिक चिंताआओ को मनोविज्ञान से कैसे दूर करने का प्रयास जाया। इस कार्यक्रम को एनएसएस समेत विभिन्न संकाय के 150 से अधिक छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी दिवस

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रोवर रेंजर्स के संयुक्त तत्वधान में दिनांक 2020–21 को महाविद्यालय परिसर में समस्त संस्थागत छात्र छात्राओं को प्राचार्य डॉ आर सी पुरोहित जी के अध्यक्षता में अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी दिवस के अवसर पर अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा आइए पथ्वी का कर्ज उतारे का यह दिन एक मौका होता है। जब करोड़ों लोग मिलकर पृथ्वी से जुड़ी पर्यावरण की चुनौतियां जैसे कि क्लाइमेट चेंज, ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण और जैव विविधता संरक्षण के लिए प्रयास करने में और जागरूक हो और इसे तेजी लाएं इसी क्रम में वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ डी0के चंदोला ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि हो सकता है कि हमारे राज्यों के बीच राजनीतिक वित्त हो किंतु हमारे पास केवल रहने के लिए एक ही सांझा गह पृथ्वी जिसका कल पूरे और सौरमंडल में अब तक नहीं खोजा जा सका।

महाविद्यालय में चलाया गया नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान

खटीमा। एच एन बी पीजी कॉलेज खटीमा में पर्यवारण प्रकोष्ठ द्वारा महाविद्यालय परिसर में...

हिन्दुस्तान

हिन्दुस्तान टीम,रुद्रपुर Thu, 29 Sep 2022 01:20 PM

खटीमा। एच एन बी पीजी कॉलेज खटीमा में पर्यवारण प्रकोष्ठ द्वारा महाविद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं में मध्य नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान चलाकर छात्र छात्राओं को जागरूक किया गया। इस अवसर पर पर्यवारण प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ0 के0के0 मिश्रा ने छात्र-छात्राओं को इस अभियान के उद्देश्य एवम रूपरेखा की जानकारी दी। सचिव डॉ0 आशीष उपाध्याय ने छात्र - छात्राओं को सिंगल यूज प्लास्टिक की पहचान के बारे में बताया एवम उनसे पर्यावरण को होने वाले नुकसान तथा उसके वैकल्पिक उपायों पर चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 प्रशान्त जोशी ने छात्र छात्राओं को **"नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान"** के तहत महाविद्यालय स्तर लर होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं की भी जानकारी एवम दिशा निर्देश दिए।

इस अवसर पर छात्रा-छात्राओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए जिसमे बीए प्रथम वर्ष के छात्र रोहित जोशी ने जानवरो पर प्लास्टिक से होने वाले नुकसानों के बारे में बताया। इस अवसर पर सहसंयोजक डॉ0 आर0 एस0 नेगी, डॉ0 हरेन्द्र मोहन सिंह, डॉ0 धीरज गहतोड़ी एवम महाविद्यालय के छात्र-छात्राए भी मौजूद रहे।

संरक्षक	**सचिव**	**आयोजक**	**सह-संयोजक**	**संयोजक**
डॉ0 आर. सी. पुरोहित	डॉ0 आशीष कुमार	डॉ0 प्रशान्त जोशी	डॉ0 आर. एस. नेगी	डॉ0 के. के. मिश्रा
प्राचार्य हे०न०ब०रा०स्ना० महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड राज्य	(रसायन विज्ञान विभाग)	(इतिहास विभाग)	(प्रभारी - जंतु विज्ञान विभाग)	(पर्यावरण प्रकोष्ठ)

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

महाविद्यालय में चलाया गया नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान

खटीमा। एच एन बी पीजी कॉलेज खटीमा में पर्यवारण प्रकोष्ठ द्वारा महाविद्यालय परिसर में...

हेमवती नन्दन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

खटीमा – 262308, जिला – ऊधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)

(सम्बद्ध कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल, उत्तराखण्ड)

फोन : 05943 – 252244

Email ID : gpgckhatima@gmail.com

उत्तराखण्ड शासन

आज़ादी का अमृत महोत्सव

G20 भारत 2023 INDIA

सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन

सत्र : 2022 – 2023

क्विज (Quiz) प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता का विषय

"सिंगल यूज प्लास्टिक का पर्यावरण पर दुष्प्रभाव, इसके अन्य वैकल्पिक स्त्रोत: सुझाव एवं चर्चा"

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखंड

दिनांक : 11/10/2022

अतिआवश्यक सूचना

महाविद्यालय के समस्त छात्र- छात्राओं को सूचित किया जाता हैं कि पर्यवारण प्रकोष्ठ के तत्वावधान में **"नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान"** के तहत दिनाँक 17/10/2022 को निबंध एवं क्विज **(Quiz)** प्रतियोगिता का आयोजन होना हैं। निबंध एवं क्विज **(Quiz)** प्रतियोगिता विषय **"नो सिंगल यूज प्लास्टिक"** एवं **"पर्यवारण संरक्षण"** पर ही आधारित होगी। अतः इच्छुक प्रतिभागी दिनाँक 17/10/2022 को **अपराह्न 11:00 बजे** पी0जी0 ब्लॉक के कक्ष संख्या-01 में उपस्थित होना सुनिश्चित करे।

11/10/22

संयोजक पर्यावरण प्रकोष्ठ

प्राचार्य

प्राचार्य
हे0न0ब0रा0स्ना0 महाविद्यालय
खटीमा (ऊधम सिंह नगर)
उत्तराखण्ड राज्य

दिनाँक
18/10/22

'पर्यावरण प्रकोष्ठ द्वारा नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान' के अन्तर्गत 'निबन्ध एवं क्विज प्रतियोगिता' का आयोजन

दिनाँक 17.10.2022 को एच. एन. बी पी. जी कॉलेज खटीमा के इतिहास विभाग के सभागार में पर्यावरण प्रकोष्ठ द्वारा नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान के तहत निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. आर सी पुरोहित ने किया एवं अपने संबोधन में छात्र छात्राओं के व्यक्तित्व के विकास हेतु इस तरह की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करना आवश्यक बताया।

आयोजन सचिव डॉ आर. एस नेगी ने छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण से संबंधित आगामी आयोजनों की जानकारी दी।

संयोजक डॉ के. के. मिश्रा ने घोषणा की कि पुरस्कृत निबंध को महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका "प्रयास" में प्रकाशित किया जाएगा।

संचालन करते हुए डॉ प्रशान्त जोशी ने छात्र-छात्राओं को प्रतियोगिताओं से जुड़े आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सचिव डॉ आशीष उपाध्याय, डॉ बी. एन. पाण्डे एवं डॉ शान्ति चन्द ने निर्णायक की भूमिका निभाई

निबन्ध प्रतियोगिता परिणाम	क्विज प्रतियोगिता परिणाम
प्रथम- अंजलि जोशी (बी. ए थर्ड ईयर)	प्रतिभा झा (एम. ए. I इति)
द्वितीय- मुकेश कश्यप (M.S.C. थर्ड सेम. मैथ्स)	सुमन कुशवाहा (M.A I Eco)
तृतीय- कोमल चंद (बी. कॉम I सेम)	कोमल चंद
प्रोत्साहन पुरस्कार- प्रतिभा झा (एम.ए I सेम इति.)	रितिक (M.Sc. केम)
कमलजीत कौर- (बी. कॉम Third Year)	रोहित जोशी (B.Com I Sem)

प्राचार्य
हे०न०ब०रा०स्ना० महाविद्यालय
खटीमा (ऊधम सिंह नगर)
उत्तराखण्ड राज्य

STAR for every one

निबंध / विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभागी दिनांक 17/10/22
छात्र छात्राएं

	Name	Class	Signature	Phone number.
0				
1	Ritik Bisht	M.Sc (II-chem)	[signature]	7409507161
2.	Pratibha Jha	M.A. (IInd sem)	Pratibha Jha	7895933232
3.	BHAWANA PANT	M.A (IInd sem)	Bhawana Pant	7900846560
4.	Ruchi Suyal	B.A (IInd) year	Ruchi Suyal	7217544404.
5.	Nikita Prabhakar	B.A. IInd Year	Nikita.	9193669455.
6.	Zubair	B.Sc III Year	Zubair	7310957216
7.	Kamaljeet Kaur	B.COM IIIrd year	[signature]	9548311012
8-	Vishal Kumar	B.Sc. I sem.	विशाल कुमार	9012118077
9.	Mukesh Kashyap	M.Sc. IInd sem	Mkashyap	6396763864
10.	Suman kushwaha	M.A. IIIrd Sem	Suman	6399534471
11.	Priyanka Agarwal	MA IInd sem	Priyanka	8979298759
12	Rohit Kandpal	BSc IIIrd year	Rohit	7983870927
13	Akash Singh	B.Com. I year	Akash	7900782474
14	Anjali Joshi	B.A. IIIrd Year	Anjalijoshi	9634573888.

Name	Class	Signature	Phone no.
15 Komal chand.	B.Com I st sem	Komal chand	6395164076
16 Rohit Joshi	B.Com 1st semester	Rohitjoshi	9917409104
17 Suraj Dungrakoti	BSC IIIrd year	Suraj	6397844837
18 Akash Singh	B.Com I Year	Akash	7900782474
19 Savita kumari	B.S.c 3rd year	Savita kumari	6397346602
20 Shubham Patwa	M.A. Pol.sc. II sem.	शुभम पटवा	9789576983?

STAR for every one
STAR for every one

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन अभियान : क्विज (Quiz) प्रतियोगिता (सत्र : 2022 – 2023)

प्रतिभागी का नाम : मोबाइल नंबर : पूर्णांक : 50

कक्षा : दिनांक : प्राप्तांक :

Q. 1 पॉलिथीन की थैलियों को नष्ट नहीं किया जा सकता, क्यों कि वे बनी होती हैं-

(a) न टूटने वाले अणुओं से
(b) अकार्बनिक यौगिकों से
(c) पॉलीमर से
(d) प्रोटीन से

Q. 2 निम्नलिखित में किसके क्षय होने में सबसेअधिक समय लगताहै?

(a) सिगरेट का टुकड़ा
(b) चमड़े का जूता
(c) फोटो फिल्म
(d) प्लास्टिक का थैला

Q. 3 निम्न में से कौन-सी वस्तु जीवाणुओं से नष्ट नहीं होती?

(a) गोबर
(b) पौधों की पत्तियां
(c) खाद्यपदार्थ
(d) प्लास्टिक

Q. 4 भारत में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम कब पारित हुआ?

(a) 1986 में
(b) 1886 में
(c) 1976 में
(d) 2021 में

Q. 5 जंतु एवं वनस्पति पर्यावरण है?

(a) जैविक पर्यावरण
(b) सूक्ष्मजीव पर्यावरण
(c) अजीवीय पर्यावरण
(d) जंतु जगत पर्यावरण

Q. 6 प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नियम के अंतर्गत कुल कितने वस्तुओं पर बैन लगा है।

(a) 39
(b) 19
(c) 59
(d) 49

Q. 7 इनमे से किस सिंगल यूज प्लास्टिक पर सरकार ने बैन लगाया है?

(a) प्लास्टिक के टायर
(b) प्लास्टिक के झंडे
(c) प्लास्टिक की कुर्सी
(d) प्लास्टिक के जग

Q. 8 सिंगल यूज प्लास्टिक कब बंद होगा?

(a) 31 दिसंबर, 2022 तक
(b) 31 दिसंबर, 2023 तक
(c) 31 दिसंबर, 2024 तक
(d) 31 दिसंबर, 2025 तक

Q. 9 सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने वाला भारत का पहला राज्य कौन सा है?

(a) उत्तर प्रदेश
(b) महाराष्ट्र
(c) उत्तराखंड
(d) राजस्थान

Q. 10 कौन सा प्लास्टिक बैन है?

(a) 10 माइक्रोन से कम मोटाई वाले **प्लास्टिक**
(b) 100 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक
(c) 1000 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक
(d) 100 मिलीमाइक्रोन से कम मोटाई वाले **प्लास्टिक**

Q. 11 अंतर्राष्ट्रीय **प्लास्टिक** बैग **मुक्त** दिवस कब मनाया जाता है।

(a) हर साल 3 मई को
(b) हर साल 3 जून को
(c) हर साल 3 जुलाई को
(d) हर साल 3 सितम्बर को

Q. 12 प्लास्टिक कितने प्रकार की होती हैं?

(a) दो प्रकार की
(b) चार प्रकार की
(c) छह प्रकार की
(d) आठ प्रकार की

Q. 13 विश्व पर्यावरण दिवस 2018 की थीम क्या थी?

(a) बीट एयर पॉल्यूशन
(b) बीट प्लास्टिक प्रदूषण
(c) बीट वाटर पॉल्यूशन
(d) इनमे से कोई नहीं

Q. 14 सिंगल यूज प्लास्टिक को किस रूप में परिभाषित किया गया है?

(a) बहु-उपयोग के लिए पुनर्नवीनीकरण सामग्री से बने सामान
(b) एकल उपयोग के लिए जीवाश्म ईंधन से बने सामान
(c) लकड़ी से बने सामान का कभी इस्तेमाल नहीं होगा
(d) इनमे से कोई नहीं

Q. 15 सिंगल यूज प्लास्टिक का सबसे अधिक उपयोग किस लिए किया जाता है?
(a) पैकेजिंग और सुविधा
(b) दीर्घकालिक स्थायित्व
(c) मकान और इमारतें
(d) इनमे से कोई नहीं

Q. 16 सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पाद का उदाहरण क्या है?
(a) स्कूल पाठ्यपुस्तक
(b) चीनी मिट्टी के बरतन प्लेट
(c) टेकअवे कॉफी कप
(d)) इनमे से कोई नहीं

Q. 17 सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पाद का उदाहरण क्या नहीं है?
(a) कोका-कोला की बोतल
(b) नियमित टूथब्रश
(c) कॉटन टोट बैग
(d) इनमे से कोई नहीं

Q. 18 प्लास्टिक की थैली कब तक ख़राब होने लगती है?
(a) 20 मिनट
(b) 20 दिन
(c) 20 महीने
(d) 20 साल

Q. 19 मनुष्य जिस तरह से प्लास्टिक का उपयोग करता है उसका पर्यावरण पर प्रभाव पड़ता है।
(a) असत्य
(b) सत्य
(c) इनमे से कोई नहीं

Q. 20 कच्चे माल को पुनः प्राप्त करने और नए उत्पाद बनाने के लिए उनका पुन: उपयोग करने की प्रक्रिया।
(a) रेड्यूसिंग
(b) रेपुरपोसिंग
(c) रीसाइक्लिंग
(d) कम्पोस्टिंग

Q. 21 निम्नलिखित में से कौन सी सामग्री नॉन-बायोडिग्रेडेबल है?
(a) संयंत्र अपशिष्ट
(b) कागज़
(c) प्लास्टिक
(d) अहाते का कचरा

Q. 22 निम्नलिखित में से कौन सी सामग्री को पुनर्नवीनीकरण नहीं किया जा सकता है?
(a) अल्युमीनियम
(b) प्लास्टिक की थैलियां
(c) कांच की बोतलें
(d) डिब्बों

Q. 23 जब हम इसे बिन में फेंकते हैं तो प्लास्टिक कहाँ जाता है?
(a) लैंड डंप
(b) महासागर
(c) पुनर्चक्रण कारखाना
(d) ऊपर के सभी

Q. 24 रस जैसे अम्लीय खाद्य पदार्थों की बोतलें किसकी बनी होती हैं?
(a) PTFE (पॉलीटेट्राफ्लुओरोएथिलेन)
(b) PET (पोलीएथीलेन ट्रेफ्थालात)
(c) पॉलियामाइड (नायलॉन)
(d) एक्रीलिक्स (PMMA: पोलीमेथील मेथाक्रिलत)

Q. 25 दूध और पानी की बोतलें बनी होती हैं।
(a) पोलीएथीलेने
(b) पोलीप्रोपलीन
(c) पॉलीविनयल क्लोराइड (PVC)
(d) पॉलीस्टीरीन

प्राचार्य
हे०न०ब०रा०स्ना० महाविद्यालय
खटीमा (ऊधम सिंह नगर)
उत्तराखण्ड राज्य

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन अभियान (सत्र : 2022 – 2023) **दिनाँक : 17/10/2022**

क्विज (Quiz) प्रतियोगिता एवं **निबंध प्रतियोगिता का विषय :**

"सिंगल यूज प्लास्टिक का पर्यावरण पर दुष्प्रभाव, इसके अन्य वैकल्पिक स्त्रोत: सुझाव एवं चर्चा"

प्रतियोगिताओं का परिणाम

निबंध प्रतियोगिता

प्रथम स्थान- अंजली जोशी (बी0ए0 थर्ड ईयर), द्वितीय स्थान- मुकेश कश्यप (एम0एस-सी0 थर्ड सेमस्टर मैथ्स), तृतीय स्थान- कोमल चंद (बी0कॉम0 फस्ट सेम), प्रोत्साहन पुरस्कार- प्रतिभा झा (एम0 ए0 इतिहास तृतीय सेमेस्टर), कमलजीत कौर (बी0कॉम0 थर्ड ईयर).

क्विज प्रतियोगिता

प्रथम स्थान- प्रतिभा झा (एम0ए0 सेकण्ड सेमेस्टर इतिहास), द्वितीय स्थान-सुमन कुशवाहा (एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर अर्थशास्त्र), तृतीय स्थान- कोमल चंद (बी0कॉम0 प्रथम सेमस्टर), प्रोत्साहन पुरस्कार- रितिक बिष्ट (एम0एस-सी0 थर्ड सेमस्टर केमेस्ट्री), रोहित जोशी (बी0कॉम0 प्रथम सेमस्टर), विजेताओं को प्रतियोगिताओं के अंतिम दौर में एक भव्य समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा।

संरक्षक	**सचिव**	**आयोजक**	**सह-संयोजक**	**संयोजक**
डॉ0 आर. सी. पुरोहित	डॉ0 आशीष कुमार	डॉ0 प्रशान्त जोशी	डॉ0 आर. एस. नेगी	डॉ0 के. के. मिश्रा
प्राचार्य हे0न0ब0रा0स्ना0 महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड राज्य	(रसायन विज्ञान विभाग)	(इतिहास विभाग)	(प्रभारी - जंतु विज्ञान विभाग)	(पर्यावरण प्रकोष्ठ)

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन अभियान (सत्र : 2022 – 2023)

क्विज (Quiz) प्रतियोगिता एवं **निबंध प्रतियोगिता का विषय :**

"सिंगल यूज प्लास्टिक का पर्यावरण पर दुष्प्रभाव, इसके अन्य वैकल्पिक स्त्रोत: सुझाव एवं चर्चा"

अखबारों में प्रकाशित

अमृत विचार : पेज नंबर 8
(दिनाँक : 19/10/2022)

प्रतियोगिता | नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान के तहत आयोजित हुई क्विज व निबंध प्रतियोगिता

निबंध में अंजलि और क्विज में प्रतिभा रहीं अव्वल

अमृत विचार, खटीमा

हेमवती नन्दन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान' तहत निबंध एवम क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कॉलेज के इतिहास विभाग के सभागार में महाविद्यालय के पर्यावरण प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. आरसी पुरोहित ने दीप जलाकर किया। प्राचार्य ने छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व के विकास हेतु इस तरह की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करना आवश्यक बताया। आयोजन समिति के सचिव व जंतु विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. आरएस नेगी ने छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण से सम्बंधित आगामी आयोजनों की जानकारी दी। साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में अवगत कराया।

खटीमा डिग्री कालेज में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता।

पर्यावरण प्रकोष्ठ संयोजक व इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. केके मिश्रा ने घोषणा की कि उत्कृष्ट निबंध को महाविद्यालय की वार्षिक स्पत्रिका ₹ प्रयास में प्रकाशित किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन करते हुए आयोजक डॉ. प्रशान्त जोशी ने छात्र-छात्राओं को समस्त प्रतियोगिता से जुड़े आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

निबंध प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष की अंजली जोशी प्रथम, एमएससी तृतीय सेमेस्टर के मुकेश कश्यप द्वितीय, बीकॉम प्रथम सेमेस्टर कोमल चंद तृतीय रहे। जबकि एमए इतिहास तृतीय सेमेस्टर के प्रतिभा झा व बीकॉम तृतीय वर्ष की कमलजीत कौर को प्रोत्साहन पुरस्कार हासिल किया। क्विज प्रतियोगिता में एमए द्वितीय सेमेस्टर इतिहास की प्रतिभा झा प्रथम, एमए तृतीय सेमेस्टर अर्थशास्त्र की सुमन कुशवाहा द्वितीय, बीकॉम प्रथम सेमेस्टर की कोमल चंद ने तृतीय स्थान हासिल किया। जबकि एमएससी तृतीय सेमेस्टर केमेस्ट्री के रितिक बिष्ट, बीकॉम प्रथम सेमेस्टर के रोहित जोशी ने प्रोत्साहन पुरुस्कार जीता। निर्णायक की भूमिका में डॉ.आशीष उपाध्याय,सचिव पर्यावरण प्रकोष्ठ (रसायन विभाग) व डॉ.बीएन पांडेय(अर्थशास्त्र), डॉ. शांति चंद (हिंदी विभाग) विभाग रहे।

दैनिक जागरण : पेज नंबर 10
(दिनाँक : 19/10/2022)

निबंध में अंजली और क्विज में प्रतिभा प्रथम

संस, खटीमा : नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान के तहत आयोजित निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता में अंजली एवं प्रतिभा अव्वल रहीं। हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मंगलवार को आयोजित निबंध प्रतियोगिता में अंजली जोशी प्रथम, मुकेश कश्यप द्वितीय, कोमल चंद तृतीय रहीं। जबकि क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभा झा ने पहला, सुमन कुशवाह ने दूसरा, कोमल चंद ने तीसरा स्थान अर्जित किया। प्रतिभा झा, कमलजीत कौर, रितिक बिष्ट, रोहित जोशी को प्रोत्साहन पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इससे पूर्व प्रतियोगिता का शुभारंभ प्राचार्य आरसी पुरोहित ने किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों की जानकारी दी। इस मौके पर डा. आरएस नेगी, डा. केके मिश्रा, डा. प्रशांत जोशी आदि मौजूद थे।

संरक्षक	सचिव	आयोजक	सह-संयोजक	संयोजक
डॉ0 आर. सी. पुरोहित	डॉ0 आशीष कुमार	डॉ0 प्रशान्त जोशी	डॉ0 आर. एस. नेगी	डॉ0 के. के. मिश्रा
प्राचार्य हे०न०ब०रा०स्ना० महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड राज्य	(रसायन विज्ञान विभाग)	(इतिहास विभाग)	(प्रभारी - जंतु विज्ञान विभाग)	(पर्यावरण प्रकोष्ठ)

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

क्विज (Quiz) प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता का विषय :

"सिंगल यूज प्लास्टिक का पर्यावरण पर दुष्प्रभाव, इसके अन्य वैकल्पिक स्त्रोत: सुझाव एवं चर्चा"

प्राचार्य
हे०न०ब०रा०स्ना० महाविद्यालय
खटीमा (ऊधम सिंह नगर)
उत्तराखण्ड राज्य

प्लास्टिक प्रतिबंध पर निबंध 2023 (Plastic Ban in India Essay in Hindi)

By **Anubhuti**

प्लास्टिक प्रतिबंध पर निबंध, लेख, प्लास्टिक मुक्त भारत, भाषण, सिंगल यूज़ प्लास्टिक, प्लास्टिक बैगों पर प्रतिबंध, उपयोग, लाभ, हानि, रिसाइक्लिंग (Plastic Ban in India Essay in Hindi) [Item Product List, Effects, Solutions, Country, Slogan, Speech, Quotes, Use, Recycling]

आज हमारे देश में प्लास्टिक के प्रतिबंध को लेकर काफी चर्चाएँ हो रही हैं, क्योंकि भारत सरकार ने इस पर एक फरमान जारी कर दिया है कि महात्मा गांधी जी कि आने वाली 150 वीं वर्षगांठ पर वे सिंगल यूज प्लास्टिक यानि एक बार उपयोग होने वाली प्लास्टिक को पूरी तरह से बंद करने की शुरुआत करने जा रहे हैं. और उम्मीद जताई हैं कि साल 2022 तक देश इस तरह के प्लास्टिक से मुक्त हो जायेगा. मोदी जी ने इसकी घोषणा इस साल के स्वतंत्रता दिवस के भाषण में कर दी थी. इस खबर से अब लोगों के मन में यह सवाल उठ रहे हैं कि ये सिंगल यूज प्लास्टिक कौन से हैं और इन पर प्रतिबंध क्यों लगाया जा रहा हैं. तो चलिए आपको इस लेख के माध्यम से सिंगल यूज प्लास्टिक से जुड़ी सभी जानकारी देते हैं.

Table of Contents

प्लास्टिक प्रतिबन्ध पर निबंध
- प्रस्तावना
- सिंगल यूज प्लास्टिक क्या हैं (Single Use Plastic)
- प्लास्टिक प्रतिबन्ध उत्पाद (Plastic Ban Products/Items List)
- प्लास्टिक क्यों ख़राब हैं (Why are Plastic Bad)
- प्लास्टिक का प्रभाव (Plastic Effects)
- प्लास्टिक के स्थान पर किसका उपयोग करें (Plastic Solutions)
- प्लास्टिक बैगों पर प्रतिबंध
- प्लास्टिक प्रतिबंध पर लगाने वाले देश (Plastic Ban Countries)
- भारत में प्लास्टिक पर प्रतिबंध (Plastic Ban in India)
- प्लास्टिक का उपयोग
- प्लास्टिक के लाभ
- प्लास्टिक से हानि
- प्लास्टिक रिसाइक्लिंग
- प्लास्टिक का उपयोग करना कैसे बंद करें
- प्लास्टिक प्रतिबन्ध पर रोचक तथ्य (Plastic Related Some Facts)
- प्लास्टिक प्रतिबन्ध सुविचार (Quotes)
- निष्कर्ष

FAQ

प्लास्टिक प्रतिबन्ध पर निबंध

प्रस्तावना

प्लास्टिक के उत्पादों को इसलिए पसंद किया जाता है क्योकि यह उपयोग करने में बहुत ही आसान होते हैं. एक बार उपयोग में लाने के बाद इसे फेंक दिया जाता है. इसलिए ये बहुत ही सस्ते भी होते हैं. लेकिन आपको बता दें कि प्लास्टिक उपयोग में जितना आसान एवं सस्ता होता है, उससे ज्यादा यह हमारे पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है. और यदि पर्यावरण ही नहीं होगा तो हमारा जीवन भी खत्म हो जायेगा, इसलिए वश्विक स्टार पर प्लास्टिक पर प्रतिबन्ध लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है. हमारे देश में भी ऐसे प्लास्टिक पर प्रतिबन्ध लगाया गया है जोकि सिंगल यूज़ के हैं यानि एक बार उपयोग में लाने के बाद इसे दोबारा उपयोग में नहीं लाया जा सकता.

सिंगल यूज प्लास्टिक क्या हैं (Single Use Plastic)

सिंगल यूज प्लास्टिक को हम डिस्पोजेबल प्लास्टिक भी कह सकते हैं. इसका मतलब यह हैं कि जब हम किसी ऐसे तरह के प्लास्टिक से बने उत्पादों का उपयोग करते हैं जिसे हम एक बार इस्तेमाल करने के बाद दोबारा किसी उपयोग में नहीं ले सकते हैं वे सभी उत्पाद सिंगल यूज प्लास्टिक वाले उत्पाद होते हैं. इस तरह के उत्पादों का मुख्य रूप से आधार पेट्रोलियम होता हैं. इसमें पैसे बहुत कम लगते हैं, इसलिए आज यह सबसे ज्यादा उपयोग किया जाने वाला उत्पाद बन गया हैं. हालांकि इसे खरीदने एवं यूज करने में ज्यादा खर्च नहीं होता हैं लेकिन आपको यह

बता दें कि जब आप इसे एक बार उपयोग करने के बाद फेक देते हैं तो इसका कचरा, उसकी सफाई और उसे नष्ट करने के लिए बहुत अधिक पैसे खर्च हो जाते हैं. और इससे जो दुनिया को नुकसान होता हैं वह अलग.

प्लास्टिक प्रतिबन्ध उत्पाद (Plastic Ban Products/Items List)

जो सबसे सामान्य सिंगल यूज प्लास्टिक हैं वे हैं कैरी बैग, प्लास्टिक की पानी की बोतल, प्लास्टिक की बोतल के कैप, कप, प्लेट, डिस्पोजेबल प्रोडक्ट्स, खाने के खाली पैकेट, प्लास्टिक के किराना बैग, प्लास्टिक के पानी पौउच, प्लास्टिक के रैपर, स्ट्रॉ एवं अन्य प्रकार के प्लास्टिक बैग आदि. इसके साथ ही इस तरह के प्लास्टिक के उत्पादन में कुछ मुख्य पॉलीमर्स का इस्तेमाल करना होता हैं. जिसमें शामिल होने वाले कुछ मुख्य पॉलीमर्स एचडीपीई, एलडीपीई, पीईटी, पीपी, पीएस और ईपीएस आदि हैं.

प्लास्टिक क्यों ख़राब हैं (Why are Plastic Bad)

आज दुनिया में इसकी खरीद सस्ती होने के कारण यह सबसे ज्यादा उपयोग होने वाला आइटम बन चूका हैं. क्योंकि आज लोग 'यूज एंड थ्रो' वाली नीति को ज्यादा अपनाते हैं. लेकिन आपको इस बात की खबर नहीं होगी कि पर्यावरण ने दुनिया के 9 बिलियन टन प्लास्टिक का सिर्फ 9 प्रतिशत रिसाइकिल किया हैं. और बाकी का अधिकांश प्लास्टिक का कचरा जलमार्ग के माध्यम से महासागरों में जाकर मिल जाता हैं. प्लास्टिक स्वाभाविक रूप से सड़ने वाला उत्पाद नहीं हैं, इसकी बजाय वे धीरे – धीरे माइक्रोप्लास्टिक नामक प्लास्टिक के छोटे – छोटे टुकड़ों में टूट जाते हैं. फिर भी यह नष्ट नहीं होता हैं. इसमें एक तरह का रसायनिक तत्व पाया जाता हैं, जोकि मिट्टी के साथ मिलकर जलमार्ग के माध्यम से जलाशय में पहुँच जाता हैं, और इससे वहां रहने वाले जीव जन्तुओं को नुकसान पहुँचता हैं. यह न ही मिट्टी में घुल पाते हैं और न ही पानी में. इसी वजह से प्लास्टिक बहुत नुकसानदायक एवं खराब होते हैं.

प्लास्टिक का प्रभाव (Plastic Effects)

एक बार उपयोग किये जाने वाले प्लास्टिक से क्या – क्या प्रभाव पड़ते हैं आइये जानते हैं –

- प्लास्टिक के कुछ उत्पाद जैसे की थैलियाँ आदि को सड़ने में काफी अधिक समय लगता है. और इस बीच में यह हमारी मिट्टी और पानी दोनों को प्रदूषित कर देती हैं.
- प्लास्टिक के निर्माण के लिए उपयोग किये जाने वाले कुछ जहरीले रसायन होते हैं जोकि पहले एनिमल टिश्यू में परिवर्तित होते हैं, और फिर यह मानव खाद्य श्रंखला में प्रवेश करता हैं. फिर ये खाद्य पदार्थों के सेवन से यह हमारे शरीर में पहुंचकर उसे भी प्रभावित करता हैं.
- यदि इस तरह के प्लास्टिक को जानवरों द्वारा या इंसानों द्वारा निगला जाता हैं तो या उनके तंत्रिका तंत्र, फेफड़े और कुछ अन्य अंगों को काफी नुकसान पहुंचा सकता हैं.
- यह जीव – जंतु, एवं मानव शरीर के अलावा पर्यावरण को भी प्रभावित करता हैं. जब प्लास्टिक के उत्पाद मिट्टी में मिलते हैं, तो उसमें पाए जाने वाले खतरनाक रसायन भी मिट्टी में मिल जाते हैं. इससे जब उस मिट्टी में पेड़ – पौधों लगायें जाते हैं या जो खुद से उत्पन्न होते हैं उनपर यह नकारात्मक प्रभाव डालते हैं.
- आज प्लास्टिक की बहुत अधिक मात्रा समुद्र में मिल रही हैं, जिसके चलते यदि वर्तमान रुझान देखा जाये तो सन 2050 तक समुद्र में जीव जंतुओं की तुलना में प्लास्टिक अधिक दिखाई देगा. जोकि पर्यावरण एवं जलीय जीव जंतुओं के लिए बिलकुल भी अच्छी बात नहीं है.

अतः लगभग सभी जानवरों की प्रजातियों, मनुष्यों और पर्यावरण के लिए प्लास्टिक का कचरा एक बुरा प्रभाव डालता हैं. एक बार एक वीडियो काफी अधिक वायरल हुआ था जोकि एक समुद्री कछुए के बारे में था, जिसमें उसकी नथुने में प्लास्टिक स्ट्रॉ जैसा कोई पदार्थ फंस गया था. और उस वजह से उसका क्या हाल हुआ था. वहीँ उस वीडियो में दिखाया गया था. और तब से ही प्लास्टिक के उत्पादों पर प्रतिबंध लगाने का मुख्य कारण सामने आया हैं.

प्लास्टिक के स्थान पर किसका उपयोग करें (Plastic Solutions)

सिंगल यूज प्लास्टिक के स्थान पर आप इस तरह के तत्वों पर ध्यान दे सकते हैं जिनमें रिसाइकिलिंग दर, सुरक्षा, वजन, परिवहन क्षमता और सामर्थ्य सभी चीजें हों. प्लास्टिक के स्थान पर कुछ अन्य चीजों का उपयोग आसानी से कर सकते हैं जैसे –

- यदि आप प्लास्टिक की पानी की बोतलों का उपयोग कर रहे हैं तो उसके स्थान पर आप कुछ धातुओं से बनी बोतल जैसे कांच, कॉपर एवं मिट्टी से बनी बोतल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं.
- आप यदि प्लास्टिक से बने कप, प्लेट, स्ट्रॉ एवं इसी तरह के अन्य उत्पाद का उपयोग कर रहे हैं तो आप तुरंत ही इसका उपयोग करना बंद करिये और इसके स्थान पर पेपर या जिसे दोबारा रिसाइकिल किया जा सके इस तरह के उत्पादों का उपयोग करिये.
- बाजार में इन दिनों प्लास्टिक की थैलियाँ काफी नजर आ रही हैं लेकिन इसके स्थान पर आप कपड़े या जूट से बने कैरी बैग बाजार से खरीदें और उसे अपने साथ लेकर भी जायें.
- इस सभी चीजों के अलावा आप प्लास्टिक की चम्मच या चाकू के स्थान पर स्टील के चाकू एवं लकड़ी आदि की चम्मच एवं चाकू का उपयोग करें.
- इसके अलावा आप यह भी कर सकते हैं कि आप थोक में आइटम को खरीदें ताकि आप प्लास्टिक की पैकेजिंग से बच सकें, और जितना संभव हो उतना रिसाइकिल करें.

इसके अलावा कुछ ऐसे उत्पादों के विकल्प भी हैं जिनके बारे में बहुत कम लोगों को पता हैं, उदाहरण के लिए बीओपीपी फिल्म्स, इसके बारे में इंडस्ट्री के बहुत से लोगों को जानकारी नहीं है, लेकिन इनमें उच्च पारदर्शिता होती हैं और इसे नमी के लिए एक अच्छा स्त्रोत माना जाता हैं. इसलिए इसका उपयोग किसी उत्पाद को कवर करने के लिए किया जा सकता हैं.

प्लास्टिक बैगों पर प्रतिबंध

प्लास्टिक बैग इसका इस्तेमाल लोग आमतौर पर रोज ही करते होंगे, लेकिन आपको पता है कि प्लास्टिक बैग पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है लेकिन फिर भी रोजमर्रा के जीवन में हम न जाने कितनी बार प्लास्टिक बैग्स का इस्तेमाल करते हैं। प्लास्टिक बैग पर प्रतिबंध लगाना हमारे पर्यावरण के लिए और हमारे स्वास्थ्य दोनों के लिए ही बहुत ज्यादा जरूरी है। क्योंकि दिन प्रतिदिन प्लास्टिक बैग हमारी जान के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। आमतौर पर बनने वाले प्लास्टिक बैग को आकार देने के लिए जहरीले रसायनों का इस्तेमाल होता है जिनका असर हमारे स्वास्थ्य और प्रकृति दोनों पर ही बहुत ज्यादा पड़ता है। अब ऐसे में सोचिए जब खाद्य पदार्थ प्लास्टिक बैग में आते हैं और जब हम उसे खाते हैं, तो वह हमारे शरीर के अंदर कितनी तरह की बीमारियां उत्पन्न करते होंगे। आज के समय में नॉन बायोडिग्रेडेबल कचरा बढ़ता जा रहा है जिसकी वजह से कैंसर जैसी भयानक बीमारियां भी उत्पन्न होने लगी हैं। गंभीर समस्याओं और बीमारियों को रोकने के लिए सबसे पहले जरूरी है प्लास्टिक बैग पर प्रतिबंध लगाना।

प्लास्टिक प्रतिबंध पर लगाने वाले देश (Plastic Ban Countries)

प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने वाले दुनिया में बहुत से देश हैं. आइये हम आपको इसके बारे में जानकारी देते हैं–

प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने वाले देश	**प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगने का साल**
एंटीगुआ और बरमूडा	सन 2016 में
चाइना	सन 2017 में
कोलंबिया	सन 2017 में
रोमानिया	सन 2018 में
सेनेगल	सन 2015 में
रवांडा	सन 2008 में
दक्षिण कोरिया	जनवरी, 2019 में
ज़िम्बाब्वे	सन 2017 में
तुनिशिया	सन 2017 में
सामोआ	जनवरी, 2019 में
बांग्लादेश	सन 2002 में
कैमरून	सन 2014 में
अल्बानिया	सन 2018 में
जॉर्जिया	सन 2018 में
भारत	अक्टूबर, 2019 में
होम पेज	यहाँ क्लिक करें

भारत में प्लास्टिक पर प्रतिबंध (Plastic Ban in India)

अन्य देश जहाँ पर सिंगल यूज प्लास्टिक की मैन्युफैक्चरिंग एवं उसके उपयोग पर रोक लगा दी गई हैं, उसकी सूची में अब एक और नाम शामिल होने जा रहा हैं वह है हमारा देश भारत. जी

हां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इस साल स्वतंत्रता दिवस पर कई मुद्दों पर बात की थी, जिसमें से एक था प्लास्टिक के उत्पाद जिसे दोबारा उपयोग में नहीं लाया जा सकता उस पर रोक लगाना. उन्होंने लोगों को इसके नुकसान के बारे में बताते हुए उनसे इसका उपयोग न करने के लिए आग्रह किया हैं. और यह भी कहा है कि हमारे देश के राष्ट्रपिता की इस साल 150 वीं जन्मतिथि पर इस अभियान को शुरू कर दिया जायेगा. और साथ ही उन्होंने इस अभियान के चलते यह लक्ष्य तय किया हैं कि साल 2022 में हमारा भारत एक बार उपयोग वाले प्लास्टिक रहित देश बनेगा.

अतः गाँधी जयंती पर अक्टूबर महिने की दूसरी तारीख से अब भारत में इस तरह के प्लास्टिक का उपयोग करना गैर – कानूनी माना जायेगा. हालांकि इसकी घोषणा पहले ही कर दी गई थी कि अब से सिंगल यूज प्लास्टिक की मैन्युफैक्चरिंग बंद कर दी जाये, इसलिए महाराष्ट्र, तमिलनाडू, ओडिशा, मध्यप्रदेश जैसे भारत के कुल 18 राज्य ऐसे हैं जिन्होंने प्लास्टिक के बैग की मैन्युफैक्चरिंग पर रोक लगा दी हैं. जल्द ही यह प्रक्रिया पूरे भारत में लागू हो जाएगी.

प्लास्टिक का उपयोग

दिन प्रतिदिन प्लास्टिक का उपयोग भी बढ़ता जा रहा है अब जैसे पानी की बोतल ले लो या फिर कोई भी सामान। अगर एक आंकड़े उठाकर देखा जाए तो एक व्यक्ति के द्वारा प्रतिवर्ष 11 किलो से भी ज्यादा वस्तुओं का उपयोग प्लास्टिक के रूप में किया जा रहा है। यह आंकड़ा भारत का है अगर पूरे विश्व का आंकड़ा देखें तो एक व्यक्ति प्रति वर्ष में 28 किलो से ज्यादा प्लास्टिक का इस्तेमाल करता है। इतनी अधिक मात्रा में प्लास्टिक का इस्तेमाल हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत ज्यादा खतरनाक है। आज के समय में प्लास्टिक का उपयोग बहुत सारी चीजों के लिए किया जाता है जैसे प्लास्टिक के चम्मच टूथब्रश प्लेट गिलास कब बैग, पानी पीने की बोतल आदि। इस प्लास्टिक को इस्तेमाल करने के बाद जब हम इधर उधर फेंक देते हैं तो आपको पता है इसके विघटन प्रक्रिया में लगभग 400 साल से भी ज्यादा का समय लग जाता है। इसका सीधा अर्थ यही है कि अगर हम आज प्लास्टिक का इस्तेमाल कर रहे हैं तो हमारी आने वाली पीढ़ी को 400 साल तक इसका नुकसान भुगतना पड़ेगा।

प्लास्टिक के लाभ

प्लास्टिक के इस्तेमाल के नुकसान ही नहीं कुछ लाभ भी होते हैं जो निम्नलिखित हैं:-

- **आसान प्रयोग करना और निर्माण :-** प्लास्टिक को किसी भी आकार में डाला जा सकता है और इसका इस्तेमाल भी बहुत आसानी से किसी भी तरीके से लिए किया जा सकता है। दैनिक रूप से विभिन्न प्रकार के साधनों को जुटाने के लिए प्लास्टिक का इस्तेमाल किया जाता है।
- **सस्ता :**– प्लास्टिक से कुछ भी बनाने के लिए बहुत कम खर्चे की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त यदि कपड़े या कागज से कुछ बनाया जाए तो वह महंगा पड़ता है। इसलिए प्लास्टिक का इस्तेमाल बहुत लाभदायक होता है क्योंकि कम पैसे में ही विभिन्न प्रकार के उत्पाद जैसे पॉलिथीन, खिलौने आदि बनाए जा सकते हैं।
- **मजबूत और टिकाऊ :-** लंबे समय तक चलने वाला यह है कि ऐसा प्रोडक्ट है जो पूरी तरह से वाटर प्रूफ भी है और आसानी से उपयोग में भी लाया जा सकता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसे आसानी से साफ ही किया जा सकता है और संभाल कर भी रखा जा सकता है।
- **जल प्रतिरोधी और गंदहीन :**– इसका एक फायदा यह भी है कि पानी से यह खराब नहीं हो सकता और ना ही इसमें कोई बदबू आती है। जबकि प्लास्टिक के बर्तन में लंबे समय तक पानी को स्टोर करके भी रखा जा सकता है।
- **रीसायकल और पुनः उपयोग :-** प्लास्टिक को तोड़ मरोड़ कर कुछ भी नया आकार दिया जा सकता है और उसका दोबारा से उपयोग किया जा सकता है। आज के समय में प्लास्टिक का पुनः उपयोग बहुत ज्यादा किया जा रहा है जिसे रीसायकल कर के नए-नए उत्पाद बनाकर बाजार में लाए जाते हैं।

प्लास्टिक से हानि

प्लास्टिक से हमें बहुत ज्यादा नुकसान भी होता है जिसके कुछ नुकसान हम आपको यहां बताने जा रहे हैं विभिन्न जीवो के लिए भी और पर्यावरण के लिए भी:-

- **स्वास्थ्य के लिए :-** प्लास्टिक के बर्तन में खाना खाना है और उसमें लंबे समय तक खाना रखने से हमें कई सारी गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है। प्लास्टिक कुछ विभिन्न प्रकार के जहरीले रसायनों से बनाकर उसे आकार दिया जाता है जिसकी वजह से उसका सीधा प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ता है।
- **पर्यावरण के लिए :-** प्लास्टिक का एक बार संभाल कर के उसे खराब समझकर जब इधर-उधर फेंक दिया जाता है तो वह जमीन में जाकर उसे बंजर बना देता है। पानी में जाकर उसे दूषित कर देता है, इसके अलावा और भी कई सारे प्रभाव पर्यावरण के लिए बहुत ज्यादा घातक हैं जो प्लास्टिक की वजह से देखने को मिलते हैं।
- **समुद्री जीवो के लिए :-** समुद्र के पानी में आज के समय में बहुत बड़ी मात्रा में प्लास्टिक जैसे गंदे पदार्थ देकर जाते हैं जो यदि कोई समुद्री जीव निगल जाता है, तो उसके स्वास्थ्य पर बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचता है कई बार तो वे जानवर मौत के घाट पहुंच जाते हैं।
- **जानवरों के लिए :-** अच्छा दे’खा जाता है लोग अपने घरों का कूड़ा पॉलिथीन आदि में इकट्ठा करके बाहर रख देते हैं जिसे जानवर खाना शुरु कर देते हैं। ऐसे में जहरीले प्लास्टिक बैग आदि को जानवर निगल जाते हैं, जिनकी वजह से उनके पेट और शरीर के अन्य हिस्सों में विभिन्न प्रकार के रोग और समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं।
- **भूमि प्रदूषण :-** प्लास्टिक में मौजूद विषाक्त रसायन इतने ज्यादा भयंकर होते हैं जिनकी वजह से कभी कभी भूमि को बहुत ज्यादा नुकसान पड़ता है। कई बार भूमि के आस-पास पड़ी हुई प्लास्टिक गर्मी या विभिन्न पदार्थों की वजह से जल्दी आग पकड़ लेती है
- **जल प्रदूषण :-** घरेलू इस्तेमाल में दैनिक रूप से हम इतनी सारी पॉलिथीन इस्तेमाल करते हैं कि उन्हें इस्तेमाल करने के बाद इधर-उधर फेंक देते हैं जिसकी वजह से कई बार ये नाली में जमा हो जाती हैं और उसे जमा कर सकती हैं। यहां से निकलने के बाद बड़े बड़े नालों में जाकर मिल जाती हैं और पॉलिथीन की वजह से प्लास्टिक से निकलने वाला एसिड और अन्य विषाक्त जैसे पानी में मिल जाती हैं। इसकी वजह से पूरे विश्व में जल प्रदूषण की समस्या बढ़ती जा रही है।
- **जलवायु परिवर्तन :-** पॉलिथीन के इस्तेमाल से हमारा पर्यावरण बहुत ज्यादा दूषित होता जा रहा है। मिट्टी में मिल कर मिट्टी को दूषित करता है तथा जल में घुलकर जल को प्रदूषित कर देता है। दिन प्रतिदिन जलवायु में बढ़ते बदलाव का सबसे बड़ा कारण पॉलिथीन बनता जा रहा है।

प्लास्टिक रिसाइक्लिंग

प्लास्टिक से निकलने वाले कचरे को रिसाइकल करके काफी विभिन्न प्रकार की चीजें बनाई जाती है।

- प्लास्टिक की बाल्टी, टब
- प्लास्टिक के पाइप
- सड़क निर्माण में भी हो चुका है प्लास्टिक का उपयोग
- डेकोरेशन की चीजें बनाने के लिए भी होता है इस्तेमाल
- प्लास्टिक को रिसाइकल करके चटाई बनाई जाती है

प्लास्टिक का उपयोग करना कैसे बंद करें

प्लास्टिक का उपयोग हमें धीरे-धीरे बंद करना होगा तभी हम अपने पर्यावरण और स्वास्थ्य को बचाने में सक्षम हो पाएंगे। प्लास्टिक के उपयोग को बंद करने के लिए हमें निम्न उपाय अपनाने चाहिए।

- बाजार जाते समय अपने घर से अपना थैला लेते जाएं ना कि बाजार से प्लास्टिक की पॉलीथिन में सामान लेकर आएं।
- प्लास्टिक की खरीद पर बैन लगाने के लिए हर किसी को जागरूक करें।
- प्लास्टिक से बने उत्पादों को खरीदने का विरोध करें।
- प्लास्टिक के बैग की जगह कपड़े का बैग या कागज का बैग का इस्तेमाल करें।
- प्लास्टिक का इस्तेमाल करने के बाद उसे रीसाइकिल्ड के लिए इस्तेमाल करें ताकि वह पर्यावरण को नुकसान ना पहुंचाएं।
- सरकार को प्लास्टिक के उपयोग के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने चाहिए ताकि लोग भी इसके प्रति जागरूक हो सके।
- प्लास्टिक को महंगा कर देना चाहिए ताकि लोग इसे ना तो खरीदें और ना ही इसका इस्तेमाल करें।

प्लास्टिक प्रतिबन्ध पर रोचक तथ्य (Plastic Related Some Facts)

- डाउन टू अर्थ नामक पत्रिका में एक रिपोर्ट में यह दर्शाया गया है कि भारत में हर साल लगभग 16.5 मिलियन टन प्लास्टिक का उपयोग किया जाता हैं.
- यूरोपीय संघ ने भी आने वाले 1-2 साल में कुछ प्लास्टिक वस्तुओं जैसे स्ट्रॉस, कांटे, चाकू, कॉटन बड्स आदि पर पूरी तरह से रोक लगाने की योजना बनाई हैं.
- आपको बता दें कि प्रत्येक वर्ष विश्व में लगभग 300 मिलियन से भी अधिक प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग होता हैं, जिसमें से केवल 10-13 प्रतिशत प्लास्टिक थैलियाँ ही रिसाइकिल हो पाती हैं बाकी की पूरी समुद्र में जाकर मिलती हैं.

प्लास्टिक प्रतिबन्ध सुविचार (Quotes)

- प्लास्टिक हमारे हाथ का सहारा है, परंतु प्लास्टिक नहीं हमारे संसार को बिगाड़ा है.
- प्लास्टिक के इस्तेमाल को बंद करें पृथ्वी को सुरक्षित रखें
- प्लास्टिक को दे नया रूप, जो बदले प्रकृति का स्वरूप
- प्लास्टिक से धरती को पॉल्यूशन फ्री बनाएं, आने वाली जनरेशन को नई रोशनी की ओर ले जाएं.

निष्कर्ष

प्लास्टिक एक ऐसा पदार्थ हैं जोकि कुछ रसायन से बना होता हैं. इसलिए इसका उपयोग करना मतलब प्रकृति को नुकसान पहुँचाना हैं. और इससे मनुष्य के साथ – साथ जानवरों का जीवन भी संकट में डालना हैं. इसलिए हमारी भी आपसे विनती हैं कि आप भी प्लास्टिक का उपयोग करना बंद कर इससे फैलने वाले प्रदूषण से खुद को एवं दुनिया को बचाएं.

FAQ

Q : प्लास्टिक पर प्रतिबन्ध लगाने वाला पहला राज्य कौन सा है ?
Ans : सिक्किम

Q : प्लास्टिक के अति उपयोग को न्यूनतम करने के लिए हम क्या कर सकते हैं ?
Ans : प्लास्टिक के बैग, पोलिथिन, एवं बर्तनों का कम उपयोग करने से हम पर्यावरण को बचा सकते हैं.

Q : प्लास्टिक कब बंद हुआ ?
Ans : इस पर प्रतिबंध कई बार लग चूका है लेकिन यह पूरी तरह से अभी बंद नहीं हुआ है.

Q : प्लास्टिक के प्रकार क्या हैं ?
Ans : थर्मोप्लास्टिक एवं थर्मोसेटिंग

Q : थर्मोसेटिंग प्लास्टिक के उदाकरण क्या है ?
Ans : बैक्लाइट एवं मेलामाइन

Q : प्लास्टिक के उपयोग क्या क्या है ?
Ans : प्लास्टिक के कैरी बैग, बर्तन, जैसे डिस्पोजेबल कटोरी, प्लेट, चम्मच, कम गिलास आदि.

हेमवती नन्दन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खटीमा – 262308, जिला – ऊधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)
(सम्बद्ध कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल, उत्तराखण्ड)
फोन : 05943 – 252244
Email ID : gpgckhatima@gmail.com

उत्तराखण्ड शासन

आज़ादी का अमृत महोत्सव

G20 भारत 2023 INDIA

सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन

सत्र : 2022 – 2023

पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

दिनाँक 18 /10/2022

एच. एन. बी. पी. जी. कॉलेज खटीमा, ऊधम सिंह नगर

आवश्यक सूचना

महाविद्यालय में अध्ययनरत समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि महाविद्यालय के पर्यावरण प्रकोष्ठ द्वारा '<u>पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता</u>' का आयोजन किया जाना है। अतः इच्छुक प्रतिभागी छात्र-छात्राएँ अपने नाम एवं सूचना दिनाँक 21/10/2022 तक डॉ प्रशान्त जोशी, इतिहास विभाग एवं डॉ आशीष उपाध्याय (रसायन विज्ञान विभाग) को अवश्य दे दें।

18/10/22
प्राचार्य
एच0एन0बी0 राजकीय स्ना0 महाविद्यालय
खटीमा (ऊधम सिह नगर)

विभागाध्यक्ष
विभागाध्यक्ष
इतिहास विभाग
हे0न0ब0रा0स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खटीमा (ऊधम सिंह नगर)

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखंड

दिनांक : 09/12/2022

अतिआवश्यक सूचना

महाविद्यालय में अध्ययनरत समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि महाविद्यालय में पर्यावरण प्रकोष्ठ के तत्वावधान में **"नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान"** के अंतर्गत **"पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका"** विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना हैं। अतः प्रतिभाग के इच्छुक छात्र-छात्राएं दिनाँक 12/12/22 तक निम्नलिखित प्राध्यापकों के पास अपना नाम एवं सूचना अनिवार्यरूपेण नोट करा ले –

डॉ0 के.के. मिश्रा (इतिहास विभाग)

डॉ0 आर. एस. नेगी (जंतु विज्ञान विभाग)

डॉ0 आशीष उपाध्याय (रसायन विज्ञान विभाग)

डॉ0 प्रशान्त जोशी (इतिहास विभाग)

प्राचार्य

संयोजक पर्यावरण प्रकोष्ठ

नाम	कक्षा	
①. अंजली जोशी	B.A. III ord Year	Anjali joshi.
② प्रियका अग्रवाल	M.A. III rd Sem	Priyaka
③ भावना उपाध्याय	B.Sc I sem	Bhawana
4- स्वाति राना	M.A. III Sem	Swati Rana
5- प्रतिभा झा	M.A III Sem	Pratibha Jha
6 - पायल	B.A II Year	Payal
7- KOMAL BHATT	M.A I st Year	Komal
8- AMANDEEP KAUR	B-A II nd Year	AK
9- MAHIMA KHATI	M.A III rd semester.	M Khati
10- SHIKHA SHAHI	M.A III rd semester.	Shikha
11- YASHODA	M.A III rd semster.	Yashoda
12- YOGESH KASHYAP	B.SC I st Year.	Yogesh
1		

हेमवती नन्दन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खटीमा – 262308, जिला – ऊधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)
(सम्बद्ध कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल, उत्तराखण्ड)
फोन : 05943 – 252244
Email ID : gpgckhatima@gmail.com

पत्रांक संख्या : मैमो/2022-23 दिनांक : 08-12-2022

कार्यालय: प्राचार्य राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

-: प्रेस विज्ञप्ति :-

खटीमा महाविद्यालय में हुआ पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

दिनाँक 08/12/22 को एच.एन.बी. पी.जी. कॉलेज खटीमा के पर्यवारण प्रकोष्ठ के तत्वावधान में "नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान" की थीम पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन पी.जी. ब्लॉक के लॉन में किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं द्वारा बढ़चढ़कर प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ0 आर. एस. नेगी ने "नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान" के उद्देश्यों एवं उपादेयता पर उदबोधन दिया। कार्यक्रम के सचिव डॉ0 आशीष कुमार उपाध्याय ने पर्यावरण प्रकोष्ठ के तहत होने वाले तमाम आयोजनों की जानकारी दी।
पोस्टर प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ0 शांति चंद (हिंदी विभाग) और डॉ0 संध्या भट्ट (भौतिकी विभाग) रही।
पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - प्रतिभा झा (एम.ए. तृतीय सेमस्टर इतिहास), द्वितीय स्थान- भावना उपाध्याय (बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर), तृतीय स्थान- स्वाति राना (एम.ए. तृतीय सेमेस्टर-राजनीति विज्ञान) इसके अतिरिक्त प्रियंका अग्रवाल एवं योगेश कश्यप ने क्रमशः चतुर्थ एवं पंचम स्थान प्राप्त किया।
कार्यक्रम का संचालन डॉ0 प्रशान्त जोशी (इतिहास विभाग) ने किया।
इस अवसर पर डॉ0 गुरेन्द्र सिंह, डॉ0 धीरज बिनवाल, श्री अमन मंडल, श्री लक्ष्मण सिंह बोहरा, शहबाज, कोमल चंद, अंजलि जोशी, भावना उपाध्याय, पायल, कोमल भट्ट, अमनदीप कौर, महिमा खाती, यशोदा आदि मौजूद रहे।

संरक्षक	**सचिव**	**आयोजक**	**सह-संयोजक**	**संयोजक**
डॉ0 आर. सी. पुरोहित	डॉ0 आशीष कुमार	डॉ0 प्रशान्त जोशी	डॉ0 आर. एस. नेगी	डॉ0 के. के. मिश्रा
प्राचार्य हे0न0ब0रा0स्ना0 महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड राज्य	(रसायन विज्ञान विभाग)	(इतिहास विभाग)	(प्रभारी - जंतु विज्ञान विभाग)	(पर्यावरण प्रकोष्ठ)

खटीमा महाविद्यालय में हुआ पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

खटीमा। एच. एन. बी. पी.जी. कॉलेज खटीमा में पर्यवारण प्रकोष्ठ द्वारा महाविद्यालय परिसर में...

हिन्दुस्तान

हिन्दुस्तान टीम,रुद्रपुर Fri, 09 Dec 2022 01:20 PM

खटीमा। दिनाँक 08/12/22 को एच.एन.बी. पी.जी. कॉलेज खटीमा के पर्यवारण प्रकोष्ठ के तत्वावधान में **"नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान"** की थीम पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन पी.जी. ब्लॉक के लॉन में किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं द्वारा बढ़चढ़कर प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ0 आर. एस. नेगी ने "नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान" के उद्देश्यों एवं उपादेयता पर उदबोधन दिया। कार्यक्रम के सचिव डॉ0 आशीष कुमार उपाध्याय ने पर्यावरण प्रकोष्ठ के तहत होने वाले तमाम आयोजनों की जानकारी दी। पोस्टर प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ0 शांति चंद (हिंदी विभाग) और डॉ0 संध्या भट्ट (भौतिकी विभाग) रही।

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - प्रतिभा झा (एम.ए. तृतीय सेमस्टर इतिहास), द्वितीय स्थान- भावना उपाध्याय (बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर), तृतीय स्थान- स्वाति राना (एम.ए. तृतीय सेमेस्टर-राजनीति विज्ञान) इसके अतिरिक्त प्रियंका अग्रवाल एवं योगेश कश्यप ने क्रमशः चतुर्थ एवं पंचम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 प्रशान्त जोशी (इतिहास विभाग) ने किया।

इस अवसर पर डॉ0 गुरेन्द्र सिंह, डॉ0 धीरज बिनवाल, श्री अमन मंडल, श्री लक्ष्मण सिंह बोहरा, शहबाज, कोमल चंद, अंजलि जोशी, भावना उपाध्याय, पायल, कोमल भट्ट, अमनदीप कौर, महिमा खाती, यशोदा आदि मौजूद रहे।

संरक्षक	**सचिव**	**आयोजक**	**सह-संयोजक**	**संयोजक**
डॉ0 आर. सी. पुरोहित	डॉ0 आशीष कुमार	डॉ0 प्रशान्त जोशी	डॉ0 आर. एस. नेगी	डॉ0 के. के. मिश्रा
प्राचार्य	(रसायन विज्ञान विभाग)	(इतिहास विभाग)	(प्रभारी - जंतु विज्ञान विभाग)	(पर्यावरण प्रकोष्ठ)

प्राचार्य
ह०न०ब०रा०स्ना० महाविद्यालय
खटीमा (ऊधम सिंह नगर)
उत्तराखण्ड राज्य

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन अभियान (सत्र : 2022 – 2023)

पोस्टर प्रतियोगिता

अखबारों में प्रकाशित

अमृत विचार : पेज नंबर - 8
(दिनाँक : 17 दिसंबर 2022 - शनिवार)

खटीमा में प्रतियोगिता में शिरकत करने वाले छात्र–छात्राएं।

नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान पर भाषण प्रतियोगिता

खटीमा। हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान के तहत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय था। 'पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका' प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल की डॉ. रेखा बिष्ट, डॉ. संध्या भट्ट एवं डॉ. ज्योति अग्रवाल ने परिणाम की घोषणा की। जिसमें ऋतिक बिष्ट ने प्रथम, कल्पना बोरा ने द्वितीय और सागर बुंगला ने तृतीय, प्रतिभा ने चतुर्थ और देव सिंह चौहान ने पांचवां स्थान हासिल किया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो आरसी पुरोहित, संयोजक डॉ. आरएस नेगी, डॉ. प्रशांत जोशी, डॉ. आशीष उपाध्याय, अमन मंडल, प्रमोद गहतोड़ी, सिद्धांत सिंह, यशोदा, निकिता, अमनदीप कौर, अंजली आदि मौजूद थे।

संरक्षक	सचिव	आयोजक	सह-संयोजक	संयोजक
डॉ0 आर. सी. पुरोहित	डॉ0 आशीष कुमार	डॉ0 प्रशान्त जोशी	डॉ0 आर. एस. नेगी	डॉ0 के. के. मिश्रा
प्राचार्य हे०न०ब०रा०स्ना० महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड राज्य	(रसायन विज्ञान विभाग)	(इतिहास विभाग)	(प्रभारी - जंतु विज्ञान विभाग)	(पर्यावरण प्रकोष्ठ)

खटीमा महाविद्यालय में हुआ पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

– एच.एन.बी. पी.जी. कॉलेज खटीमा के पर्यवारण प्रकोष्ठ के तत्वावधान में "नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान" की थीम पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन पी.जी. ब्लॉक के लॉन में किया गया।

पोस्टर प्रतियोगिता में विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं द्वारा बढ़चढ़कर प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ0 आर. एस. नेगी ने "नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान" के उद्देश्यों एवं उपादेयता पर उदबोधन दिया। कार्यक्रम के सचिव डॉ0 आशीष कुमार उपाध्याय ने पर्यावरण प्रकोष्ठ के तहत होने वाले तमाम आयोजनों की जानकारी दी।

पोस्टर प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ0 शांति चंद (हिंदी विभाग) और डॉ0 संध्या भट्ट (भौतिकी विभाग) रही।

पोस्टर प्रतियोगिता में

प्रथम स्थान-प्रतिभा झा (एम.ए. तृतीय सेमस्टर इतिहास)

द्वितीय स्थान- भावना उपाध्याय (बी.एस- सी. प्रथम सेमेस्टर)

तृतीय स्थान – स्वाति राना (एम.ए. तृतीय सेमेस्टर-राजनीति विज्ञान)

इसके अतिरिक्त प्रियंका अग्रवाल एवं योगेश कश्यप ने क्रमशः चतुर्थ एवं पंचम स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ0 प्रशान्त जोशी (इतिहास विभाग) ने किया।

इस अवसर पर डॉ0 गुरेन्द्र सिंह, डॉ0 धीरज बिनवाल, श्री अमन मंडल, श्री लक्ष्मण सिंह बोहरा, शहबाज, कोमल चंद, अंजलि जोशी, भावना उपाध्याय, पायल, कोमल भट्ट, अमनदीप कौर, महिमा खाती, यशोदा आदि मौजूद रहे।

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन अभियान (सत्र : 2022 – 2023)

पोस्टर प्रतियोगिता

अखबारों में प्रकाशित

अमृत विचार : पेज नंबर - 8
(दिनाँक : 10 दिसंबर 2022 - शनिवार)

प्रतिभा, भावना व स्वाति ने बाजी मारी

अमृत विचार, खटीमा

खटीमा डिग्री कॉलेज में पोस्टर प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी व शिक्षक।

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पर्यावरण प्रकोष्ठ की ओर से नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान की थीम पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने जागरूकता के लिए अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन किया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभा झा ने प्रथम स्थान हासिल किया।

शुक्रवार को पीजी ब्लॉक के लॉन में आयोजन हुआ। पोस्टर प्रतियोगिता में विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़कर प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ. आरएस नेगी ने नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान के उद्देश्यों एवं उपादेयता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के सचिव डॉ. आशीष कुमार उपाध्याय ने पर्यावरण प्रकोष्ठ के तहत होने वाले आयोजनों की जानकारी दी। पोस्टर प्रतियोगिता के निर्णायक हिंदी विभाग की डॉ. शांति चंद और भौतिकी विभाग की डॉ. संध्या भट्ट रहीं। प्रतियोगिता में बीएससी प्रथम सेमस्टर की भावना उपाध्याय ने द्वितीय स्थान व राजनीति विज्ञान एमए तृतीय सेमस्टर की स्वाति राना ने तृतीय स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त प्रियंका अग्रवाल व योगेश कश्यप ने क्रमशः चतुर्थ एवं पंचम स्थान प्राप्त किया। संचालन डॉ. प्रशांत जोशी ने किया। यहां डॉ. गुरेन्द्र सिंह, डॉ. धीरज बिनवाल, अमन मंडल, लक्ष्मण सिंह बोहरा, शहबाज, कोमल चंद, अंजलि जोशी, भावना उपाध्याय, पायल, कोमल भट्ट, अमनदीप कौर, महिमा खाती, यशोदा मौजूद रहे।

संरक्षक	**सचिव**	**आयोजक**	**सह-संयोजक**	**संयोजक**
डॉ0 आर. सी. पुरोहित	डॉ0 आशीष कुमार	डॉ0 प्रशान्त जोशी	डॉ0 आर. एस. नेगी	डॉ0 के. के. मिश्रा
प्राचार्य	(रसायन विज्ञान विभाग)	(इतिहास विभाग)	(प्रभारी - जंतु विज्ञान विभाग)	(पर्यावरण प्रकोष्ठ)

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन अभियान (सत्र : 2022 – 2023)

पोस्टर प्रतियोगिता

अखबारों में प्रकाशित

अमर उजाला : पेज नंबर - 4
(दिनाँक : 10/12/2022)

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभा ने मारी बाजी

संवाद न्यूज एजेंसी

खटीमा। एचएनबी पीजी कॉलेज के प्रकोष्ठ ने नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान के तहत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ. आरएस नेगी ने नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान के उद्देश्यों एवं उपादेयता पर उद्बोधन दिया। सचिव डॉ. आशीष कुमार उपाध्याय ने पर्यावरण प्रकोष्ठ के तहत होने वाले कई आयोजनों की जानकारी दी। प्रतिभा झा प्रथम, भावना उपाध्याय द्वितीय और स्वाति राणा तृतीय रहीं।

निर्णायक डॉ. शांति चंद एवं डॉ. संध्या भट्ट रहीं। संचालन डॉ. प्रशांत जोशी ने किया। वहां डॉ. गुरेंद्र सिंह, डॉ. धीरज बिनवाल अमन मंडल, लक्ष्मण सिंह बोहरा, शहबाज, कोमल चंद, अंजलि जोशी, भावना उपाध्याय, पायल, कोमल भट्ट, अमनदीप कौर, महिमा खाती, यशोदा आदि थे।

खटीमा के डिग्री कॉलेज में पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी। संवाद

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खेलेंगे हेल्पलाइन स्कूल के चार बच्चे

खटीमा। मनोज सरकार स्टेडियम रुद्रपुर में बीते दिनों हुई राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हेल्पलाइन स्कूल के पांच छात्र-छात्राओं ने बॉक्सिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर स्वर्ण व रजत पदक जीते। बालक वर्ग में मोहसिन रजा, अनुज जोशी व मनन जोशी ने स्वर्ण पदक तथा राघव जोशी ने रजत पदक जीता। बालिका वर्ग में मानसी जोशी ने स्वर्ण पदक प्राप्त जीता। स्वर्ण पदक विजेताओं का चयन भोपाल में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। विद्यार्थियों और कोच कुनाल व ललित पांडे के स्कूल लौटने पर स्कूल प्रबंधन ने उनका स्वागत किया। वहां विद्यालय प्रबंधक प्रवीण अग्रवाल, निदेशक नवीन अग्रवाल, प्रधानाचार्य मोहन सिंह आदि थे। संवाद

हिंदुस्तान : पेज नंबर - 10
(दिनाँक : 09/12/2022)

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभा रहीं अव्वल

खटीमा। हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पर्यावरण प्रकोष्ठ के तत्वाधान में नो 'सिंगल यूज प्लास्टिक' पर पोस्टर प्रतियोगिता कराई गई।

शुक्रवार को कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ. आरएस नेगी ने नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान के उद्देश्यों पर अपने विचार रखे। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभा झा, भावना उपाध्याय और स्वाति राणा क्रमशः पहले तीन स्थानों पर रहे। यहां डॉ. प्रशांत जोशी, डॉ. गुरेंद्र सिंह, डॉ. धीरज बिनवाल रहे।

संरक्षक	**सचिव**	**आयोजक**	**सह-संयोजक**	**संयोजक**
डॉ0 आर. सी. पुरोहित	डॉ0 आशीष कुमार	डॉ0 प्रशान्त जोशी	डॉ0 आर. एस. नेगी	डॉ0 के. के. मिश्रा
प्राचार्य	(रसायन विज्ञान विभाग)	(इतिहास विभाग)	(प्रभारी - जंतु विज्ञान विभाग)	(पर्यावरण प्रकोष्ठ)

इन्फो उत्तराखंड

“नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान” की थीम पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक हुआ आयोजन : आशीष कुमार

Admin December 9, 2022

खटीमा महाविद्यालय में हुआ पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

खटीमा/इंफो उत्तराखंड

दिनाँक 08/12/22 को एच.एन.बी. पी.जी. कॉलेज खटीमा के पर्यवारण प्रकोष्ठ के तत्वावधान में *”नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान”* की थीम पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन पी.जी. ब्लॉक के लॉन में किया गया।

पोस्टर प्रतियोगिता में विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं द्वारा बढ़चढ़कर प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ0 आर. एस. नेगी ने “नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान” के उद्देश्यों एवं उपादेयता पर उदबोधन दिया। कार्यक्रम के सचिव डॉ0 आशीष कुमार उपाध्याय ने पर्यावरण प्रकोष्ठ के तहत होने वाले तमाम आयोजनों की जानकारी दी।

पोस्टर प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ0 शांति चंद (हिंदी विभाग) और डॉ0 संध्या भट्ट (भौतिकी विभाग) रही।

पोस्टर प्रतियोगिता में

प्रथम स्थान- प्रतिभा झा (एम.ए. तृतीय सेमस्टर इतिहास)

द्वितीय स्थान- भावना उपाध्याय (बी.एस- सी. प्रथम सेमेस्टर)

तृतीय स्थान- स्वाति राना (एम.ए. तृतीय सेमेस्टर-राजनीति विज्ञान)

इसके अतिरिक्त प्रियंका अग्रवाल एवं योगेश कश्यप ने क्रमशः चतुर्थ एवं पंचम स्थान प्राप्त किया।कार्यक्रम का संचालन डॉ0 प्रशान्त जोशी (इतिहास विभाग) ने किया।

इस अवसर पर डॉ0 गुरेन्द्र सिंह, डॉ0 धीरज बिनवाल, अमन मंडल, लक्ष्मण सिंह बोहरा, शहबाज, कोमल चंद, अंजलि जोशी, भावना उपाध्याय, पायल, कोमल भट्ट, अमनदीप कौर, महिमा खाती, यशोदा आदि मौजूद रहे।

दैनिक THE BREAKING NEWS
बुलन्द वाणी
मजलूमों की आवाज़...
Facebook & Youtube Buland Vani News
11–दिसम्बर-2022 | Email-dainikbulandvani@gmail.com | M. 9760241521, M. 8923196960

संजय कुमार राजपूत

खटीमा महाविद्यालय में हुआ पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

ऊधमसिंह नगर, खटीमा। एच.एन.बी. पी.जी. कॉलेज खटीमा के पर्यवारण प्रकोष्ठ के तत्वावधान में "नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान"* की थीम पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन पी.जी. ब्लॉक के लॉन में किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं द्वारा बढ़चढ़कर प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम के सह संयोजक डॉO आर. एस. नेगी ने "नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान" के उद्देश्यों एवं उपादेयता पर उदबोधन दिया। कार्यक्रम के सचिव डॉO आशीष कुमार उपाध्याय ने पर्यावरण प्रकोष्ठ के तहत होने वाले तमाम आयोजनों की जानकारी दी। पोस्टर प्रतियोगिता के निर्णायक डॉO शांति चंद (हिंदी विभाग) और डॉO संध्या भट्ट (भौतिकी विभाग) रही। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रतिभा झा (एम.ए. तृतीय सेमस्टर इतिहास) द्वितीय स्थान- भावना उपाध्याय (बी.एस- सी. प्रथम सेमेस्टर) तृतीय स्थान स्वाति राना एम.ए. तृतीय सेमेस्टर राजनीति विज्ञान) इसके अतिरिक्त प्रियंका अग्रवाल एवं योगेश कश्यप ने क्रमशः चतुर्थ एवं पंचम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉO प्रशान्त जोशी (इतिहास विभाग) ने किया। इस अवसर पर डॉO गुरेन्द्र सिंह, डॉO धीरज बिनवाल, श्री अमन मंडल, श्री लक्ष्मण सिंह बोहरा, शहबाज, कोमल चंद, अंजलि जोशी, भावना उपाध्याय, पायल, कोमल भट्ट, अमनदीप कौर, महिमा खाती, यशोदा आदि मौजूद रहे।

विज्ञापन, समाचार, लेख, कहानी आदि प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें
राष्ट्रीय:- +919760241521, उत्तराखंड : 8923196960

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

खटीमा महाविद्यालय में हुआ पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

खटीमा महाविद्यालय में हुआ पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

Scanned with CamScanner

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

खटीमा महाविद्यालय में हुआ पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

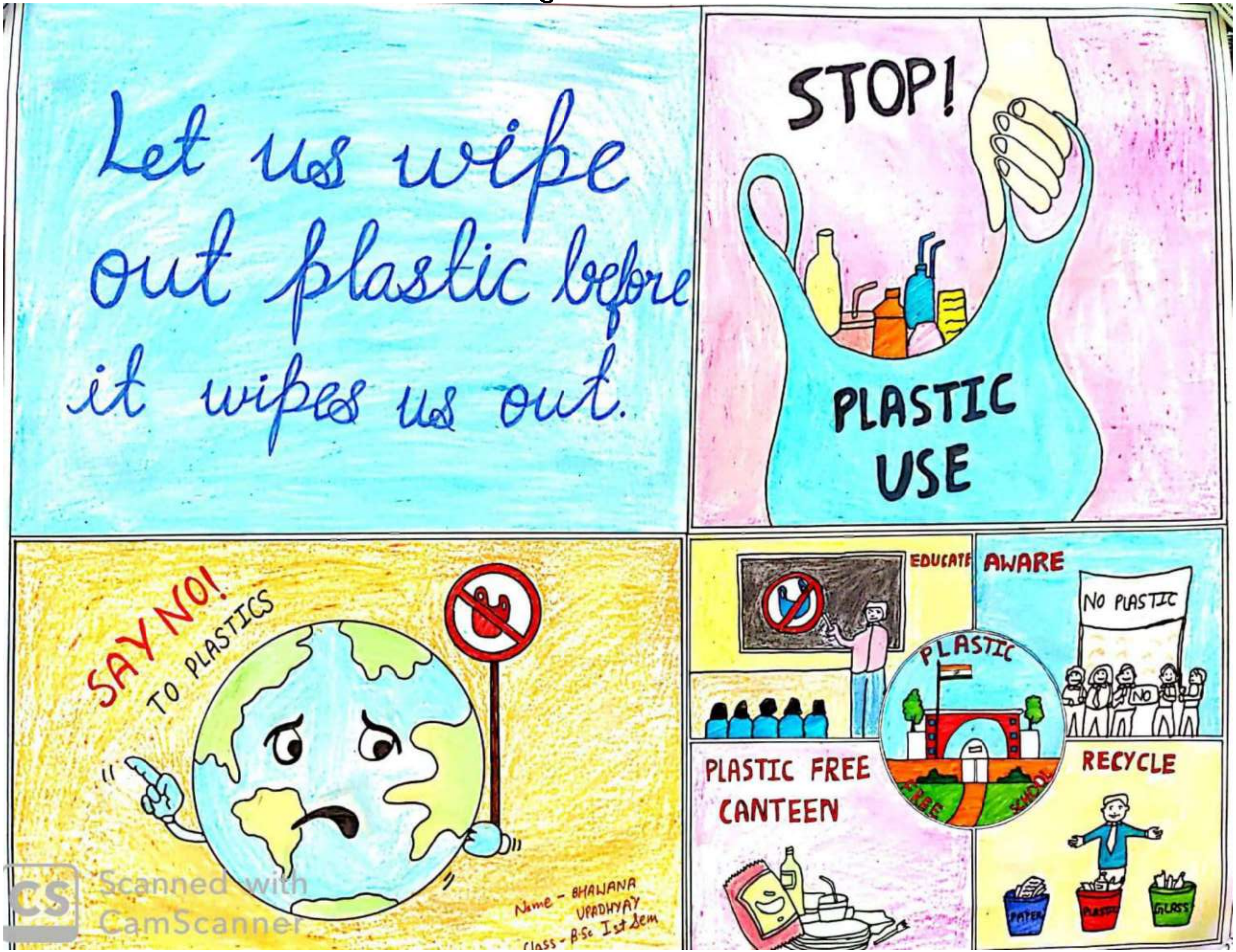

Scanned with CamScanner

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

खटीमा महाविद्यालय में हुआ पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

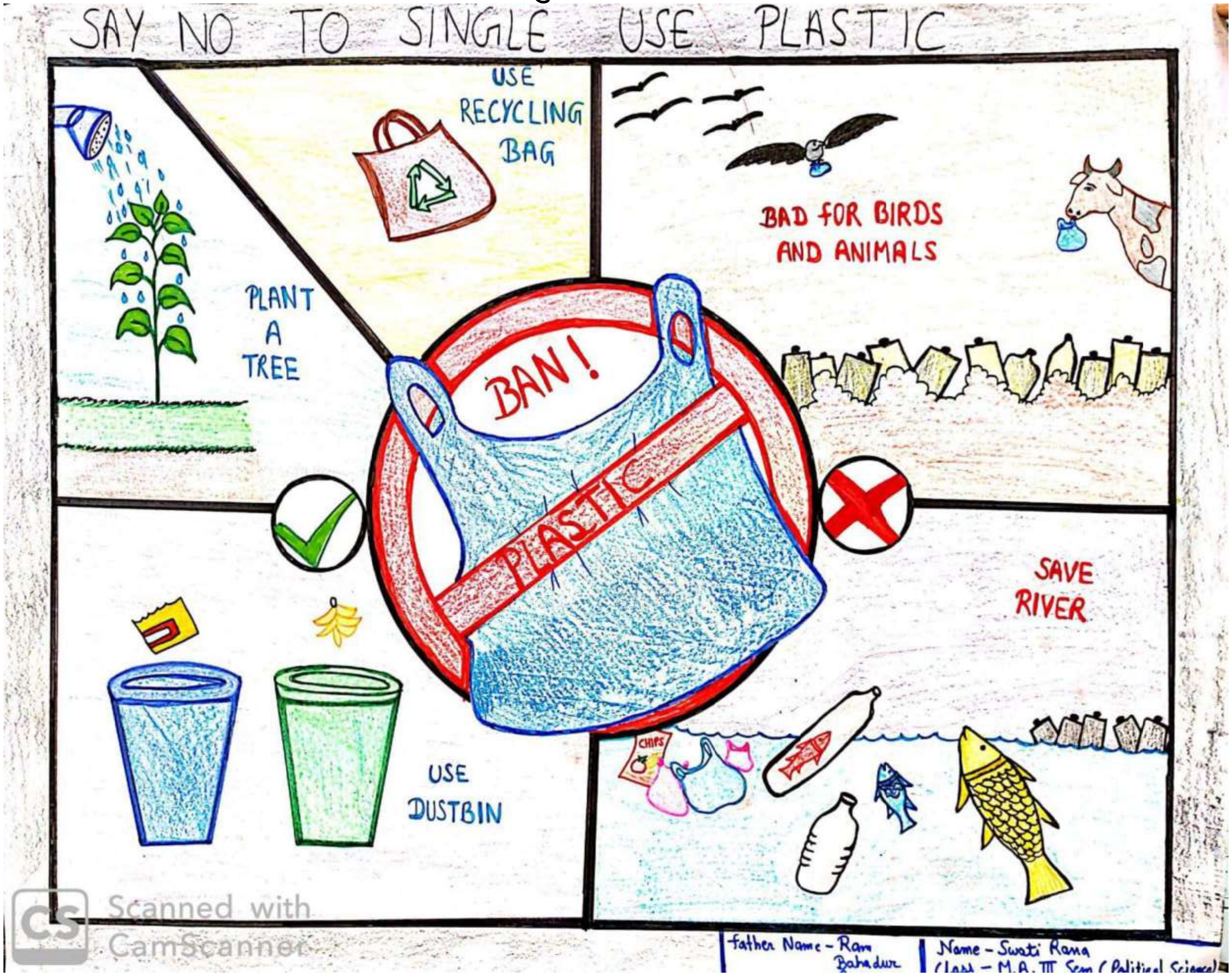

हेमवती नन्दन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खटीमा – 262308, जिला – ऊधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)
(सम्बद्ध कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल, उत्तराखण्ड)
फोन : 05943 – 252244
Email ID : gpgckhatima@gmail.com

उत्तराखण्ड शासन

आज़ादी का अमृत महोत्सव

G20 भारत 2023 INDIA

सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन

सत्र : 2022 – 2023

भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

भाषण प्रतियोगिता का विषय पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

दिनांक : 13/12/2022

अतिआवश्यक सूचना

महाविद्यालय में अध्ययनरत समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि महाविद्यालय में पर्यावरण प्रकोष्ठ के तत्वावधान में **"नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान"** के अंतर्गत **"पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका"** विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन दिनाँक 16/12/22 को पी.जी. ब्लॉक के लॉन में किया जाना हैं। अतः प्रतिभाग के इच्छुक छात्र-छात्राएं दिनाँक 15/12/22 तक निम्नलिखित प्राध्यापकों के पास अपना नाम एवं सूचना अनिवार्यरूपेण नोट करा ले –

डॉ0 के.के. मिश्रा (इतिहास विभाग)
डॉ0 आर. एस. नेगी (जंतु विज्ञान विभाग)
डॉ0 आशीष उपाध्याय (रसायन विज्ञान विभाग)
डॉ0 प्रशान्त जोशी (इतिहास विभाग)

प्राचार्य
प्राचार्य
हे०न०ब०रा०स्ना० महाविद्यालय
खटीमा (ऊधम सिंह नगर)
उत्तराखण्ड राज्य

संयोजक पर्यावरण प्रकोष्ठ

हेमवती नन्दन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

खटीमा – 262308, जिला – ऊधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)

(सम्बद्ध कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल, उत्तराखण्ड)

फोन : 05943 – 252244

Email ID : gpgckhatima@gmail.com

पत्रांक संख्या : मैमो/2022-23 दिनांक : 16-12-2022

कार्यालयः प्राचार्य राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

-: प्रेस विज्ञप्ति :-

खटीमा महाविद्यालय में नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान के तहत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

भाषण प्रतियोगिता का विषय पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका

एच.एन.बी. पी.जी. कॉलेज खटीमा के बी.एड. विभाग के लॉन में पर्यावरण प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 16 दिसम्बर 2022 को भाषण प्रतियोगिता का विषय पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका का आयोजन किया गया। प्राचार्य एवं कार्यक्रम के संरक्षक प्रोफेसर आर.सी. पुरोहित के मार्गदर्शन में हुए इस कार्यक्रम का शुभारंभ पर्यावरण प्रकोष्ठ के सह संयोजक डॉ० आर. एस. नेगी (विभागाध्यक्ष जंतु विज्ञान) ने अपने संबोधन से किया तथा छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ० प्रशांत जोशी (इतिहास विभाग) ने प्रतियोगिता से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल डॉ० रेखा देव (विभागाध्यक्ष बी.एड. विभाग), डॉ० संध्या भट्ट (भौतिक विज्ञान विभाग) एवं डॉ० ज्योति अग्रवाल (रसायन विज्ञान विभाग) मौजूद रहे।

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ऋतिक बिस्ट (एम.एससी. तृतीय सेमेस्टर), द्वितीय स्थान कल्पना बोरा (बी.एससी. द्वितीय वर्ष), तृतीय स्थान पर सागर बुंगला (बी.ए. प्रथम सेमेस्टर) और क्रमशः चौथे स्थान पर प्रतिभा (एम.ए. तृतीय सेमेस्टर) और देव सिंह चौहान (बी.ए. द्वितीय वर्ष) ने पांचवा स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता का समापन पर्यावरण प्रकोष्ठ के सचिव डॉ० आशीष उपाध्याय ने अपने संबोधन से किया तथा आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

इस अवसर पर अमन मंडल, प्रमोद गडकोटी, सिद्धांत सिंह (पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष), यशोदा, निकिता, अमनदीप कौर, अंजली आदि भी मौजूद रहे।

संरक्षक	सचिव	आयोजक	सह-संयोजक	संयोजक
डॉ0 आर. सी. पुरोहित	डॉ0 आशीष कुमार	डॉ0 प्रशान्त जोशी	डॉ0 आर. एस. नेगी	डॉ0 के. के. मिश्रा
प्राचार्य	(रसायन विज्ञान विभाग)	(इतिहास विभाग)	(प्रभारी - जंतु विज्ञान विभाग)	(पर्यावरण प्रकोष्ठ)

प्राचार्य
हे०न०ब०रा०स्ना० महाविद्यालय
खटीमा (ऊधम सिंह नगर)
उत्तराखण्ड राज्य

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

खटीमा महाविद्यालय में नो सिंगल यूज प्लास्टिक अभियान के तहत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

भाषण प्रतियोगिता का विषय पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन अभियान

सत्र : 2022 - 2023

प्रमाण पत्र सं.: GPGC/......

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड राज्य

~ प्रमाण पत्र ~

सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन अभियान सत्र : 20.. - 20..

SAVE OUR PLANET

प्लास्टिक मुक्त भारत

Re-duce Re-use Re-cycle

प्रमाणित किया जाता है कि छात्र / छात्रा .... कक्षा .... ने पर्यावरण प्रकोष्ठ द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन अभियान के अंतर्गत आयोजित .... प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया तथा .... स्थान / पुरस्कार प्राप्त किया।

~ हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं ~

सचिव	सह-संयोजक	संयोजक	संरक्षक
डॉ० आशीष कुमार	डॉ० आर. एस. नेगी	डॉ० के. के. मिश्रा	डॉ० आर. सी. पुरोहित
सहायक आचार्य	सहायक आचार्य	सहायक आचार्य	प्राचार्य
(रसायन विज्ञान विभाग)	(प्रभारी - जंतु विज्ञान विभाग)	(प्रभारी - पर्यावरण प्रकोष्ठ)	

संरक्षक	सचिव	आयोजक	सह-संयोजक	संयोजक
डॉ0 आर. सी. पुरोहित	डॉ0 आशीष कुमार	डॉ0 प्रशान्त जोशी	डॉ0 आर. एस. नेगी	डॉ0 के. के. मिश्रा
प्राचार्य	(रसायन विज्ञान विभाग)	(इतिहास विभाग)	(प्रभारी - जंतु विज्ञान विभाग)	(पर्यावरण प्रकोष्ठ)

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन अभियान

सत्र : 2022 - 2023

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड राज्य

प्रमाण पत्र सं.: GPGC/.......

~ प्रमाण पत्र ~

सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन अभियान सत्र : 20.. - 20..

SAVE OUR PLANET

प्लास्टिक मुक्त भारत

Re-duce Re-use Re-cycle

प्रमाणित किया जाता है कि छात्र / छात्रा .... कक्षा ....

.... ने पर्यावरण प्रकोष्ठ द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन अभियान के अंतर्गत आयोजित .... प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया तथा .... स्थान / पुरस्कार प्राप्त किया।

~ हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं ~

सचिव	सह-संयोजक	संयोजक	संरक्षक
डॉ० आशीष कुमार	डॉ० आर. एस. नेगी	डॉ० के. के. मिश्रा	डॉ० आर. सी. पुरोहित
सहायक आचार्य	सहायक आचार्य	सहायक आचार्य	प्राचार्य
(रसायन विज्ञान विभाग)	(प्रभारी - जंतु विज्ञान विभाग)	(प्रभारी - पर्यावरण प्रकोष्ठ)	

संरक्षक	सचिव	आयोजक	सह-संयोजक	संयोजक
डॉ0 आर. सी. पुरोहित	डॉ0 आशीष कुमार	डॉ0 प्रशान्त जोशी	डॉ0 आर. एस. नेगी	डॉ0 के. के. मिश्रा
प्राचार्य	(रसायन विज्ञान विभाग)	(इतिहास विभाग)	(प्रभारी - जंतु विज्ञान विभाग)	(पर्यावरण प्रकोष्ठ)

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड
सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन अभियान
सत्र : 2022 - 2023

संरक्षक	सचिव	आयोजक	सह-संयोजक	संयोजक
डॉ0 आर. सी. पुरोहित	डॉ0 आशीष कुमार	डॉ0 प्रशान्त जोशी	डॉ0 आर. एस. नेगी	डॉ0 के. के. मिश्रा
प्राचार्य	(रसायन विज्ञान विभाग)	(इतिहास विभाग)	(प्रभारी - जंतु विज्ञान विभाग)	(पर्यावरण प्रकोष्ठ)

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन अभियान

सत्र : 2022 - 2023

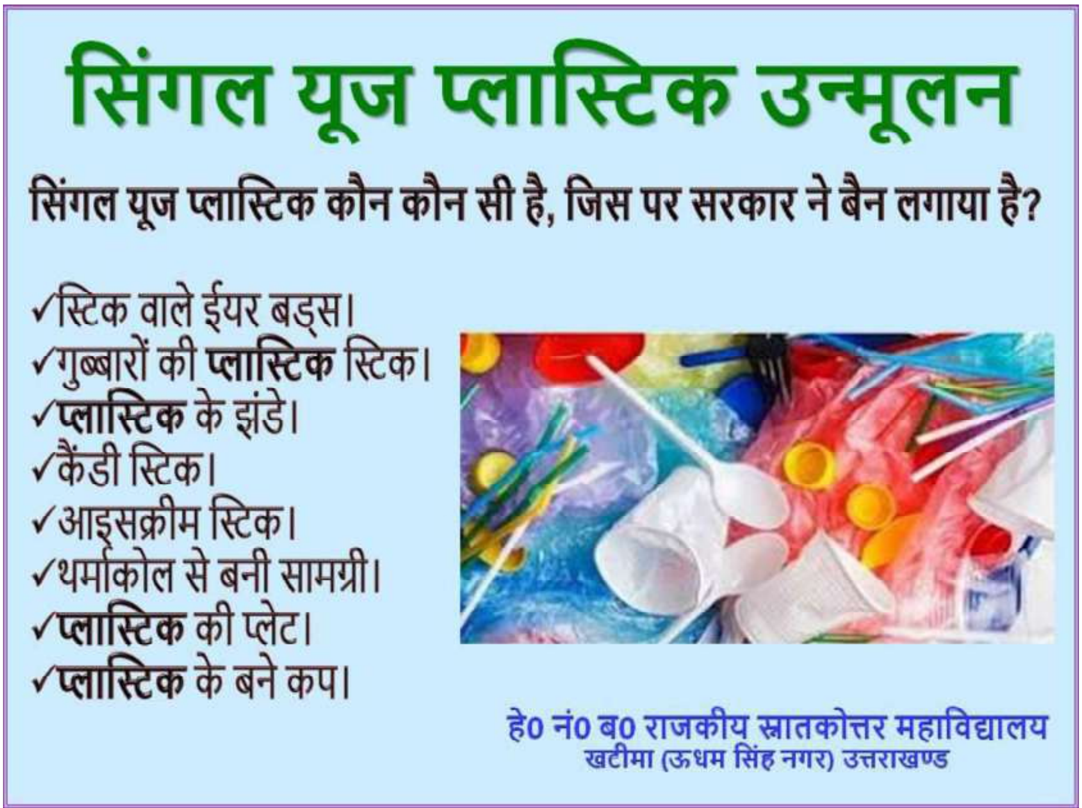

संरक्षक	**सचिव**	**आयोजक**	**सह-संयोजक**	**संयोजक**
डॉ0 आर. सी. पुरोहित प्राचार्य	डॉ0 आशीष कुमार (रसायन विज्ञान विभाग)	डॉ0 प्रशान्त जोशी (इतिहास विभाग)	डॉ0 आर. एस. नेगी (प्रभारी - जंतु विज्ञान विभाग)	डॉ0 के. के. मिश्रा (पर्यावरण प्रकोष्ठ)

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड
सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन अभियान
सत्र : 2022 - 2023

सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन

हम सबका एक ही लक्ष्य अपना, प्लास्टिक मुक्त हो जीवन अपना।

SAVE OUR PLANET

हे0 नं0 ब0 राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन

कपड़े और जूट के बैग को अपनाना है, प्लास्टिक को हटाना है।

SAVE OUR PLANET

हे0 नं0 ब0 राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

संरक्षक	सचिव	आयोजक	सह-संयोजक	संयोजक
डॉ0 आर. सी. पुरोहित प्राचार्य	डॉ0 आशीष कुमार (रसायन विज्ञान विभाग)	डॉ0 प्रशान्त जोशी (इतिहास विभाग)	डॉ0 आर. एस. नेगी (प्रभारी - जंतु विज्ञान विभाग)	डॉ0 के. के. मिश्रा (पर्यावरण प्रकोष्ठ)

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड
सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन अभियान
सत्र : 2022 - 2023

संरक्षक	सचिव	आयोजक	सह-संयोजक	संयोजक
डॉ0 आर. सी. पुरोहित	डॉ0 आशीष कुमार	डॉ0 प्रशान्त जोशी	डॉ0 आर. एस. नेगी	डॉ0 के. के. मिश्रा
प्राचार्य	(रसायन विज्ञान विभाग)	(इतिहास विभाग)	(प्रभारी - जंतु विज्ञान विभाग)	(पर्यावरण प्रकोष्ठ)

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन अभियान

सत्र : 2022 - 2023

संरक्षक	सचिव	आयोजक	सह-संयोजक	संयोजक
डॉ0 आर. सी. पुरोहित	डॉ0 आशीष कुमार	डॉ0 प्रशान्त जोशी	डॉ0 आर. एस. नेगी	डॉ0 के. के. मिश्रा
प्राचार्य	(रसायन विज्ञान विभाग)	(इतिहास विभाग)	(प्रभारी - जंतु विज्ञान विभाग)	(पर्यावरण प्रकोष्ठ)

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड
सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन अभियान
सत्र : 2022 - 2023

संरक्षक	सचिव	आयोजक	सह-संयोजक	संयोजक
डॉ0 आर. सी. पुरोहित	डॉ0 आशीष कुमार	डॉ0 प्रशान्त जोशी	डॉ0 आर. एस. नेगी	डॉ0 के. के. मिश्रा
प्राचार्य	(रसायन विज्ञान विभाग)	(इतिहास विभाग)	(प्रभारी - जंतु विज्ञान विभाग)	(पर्यावरण प्रकोष्ठ)

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन अभियान

सत्र : 2022 - 2023

संरक्षक	सचिव	आयोजक	सह-संयोजक	संयोजक
डॉ0 आर. सी. पुरोहित	डॉ0 आशीष कुमार	डॉ0 प्रशान्त जोशी	डॉ0 आर. एस. नेगी	डॉ0 के. के. मिश्रा
प्राचार्य	(रसायन विज्ञान विभाग)	(इतिहास विभाग)	(प्रभारी - जंतु विज्ञान विभाग)	(पर्यावरण प्रकोष्ठ)

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड
सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन अभियान
सत्र : 2022 - 2023

संरक्षक	**सचिव**	**आयोजक**	**सह-संयोजक**	**संयोजक**
डॉ0 आर. सी. पुरोहित	डॉ0 आशीष कुमार	डॉ0 प्रशान्त जोशी	डॉ0 आर. एस. नेगी	डॉ0 के. के. मिश्रा
प्राचार्य	(रसायन विज्ञान विभाग)	(इतिहास विभाग)	(प्रभारी - जंतु विज्ञान विभाग)	(पर्यावरण प्रकोष्ठ)

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड
सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन अभियान
सत्र : 2022 - 2023

संरक्षक	**सचिव**	**आयोजक**	**सह-संयोजक**	**संयोजक**
डॉ0 आर. सी. पुरोहित	डॉ0 आशीष कुमार	डॉ0 प्रशान्त जोशी	डॉ0 आर. एस. नेगी	डॉ0 के. के. मिश्रा
प्राचार्य	(रसायन विज्ञान विभाग)	(इतिहास विभाग)	(प्रभारी - जंतु विज्ञान विभाग)	(पर्यावरण प्रकोष्ठ)

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

गंगा उत्सव

- गंगा उत्सव कार्यक्रम के तहत् राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खटीमा द्वारा दिनांक 12.11.2022 को वृहद स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया गया।
- इस दौरान छात्र–छात्राओं द्वारा जैव विविधता के सम्बन्ध में भी जानकारी प्राप्त की गयी।

04 नवम्बर के दिवस पर गंगा नदी को भारत की राष्ट्रीय नदी घोषित किये जाने उपलक्ष्य में गंगा बेसिन राज्यों में आयोजित किये जा रहे 'गंगा उत्सव' कार्यक्रम के तहत् राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली एवं राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड के तत्वाधान में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खटीमा द्वारा दिनांक 12.11.2022 को वृहद स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया गया। पौधारोपण अभियान में महाविद्यायल के छात्र–छात्राओं द्वारा महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर इनकी सुरक्षा की भी जिम्मेदारी ली। इस अवसर पर प्राध्यपकगण द्वारा छात्र–छात्राओं को विभिन्न प्रजाति के वृक्षों की विस्तृत जानकारी दी गयी तथा वृक्षारोपण के महत्व को भी बताया गया। साथ जैव विविधता के महत्व को भी छात्र–छात्राओं के समक्ष रखा गया।

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

गंगा उत्सव कार्यक्रम के तहत् महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण करते हुए छात्र–छात्राएं एवं प्राध्यपकगण

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

गंगा उत्सव कार्यक्रम के तहत् महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण करते हुए छात्र–छात्राएं एवं प्राध्यपकगण

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

गंगा उत्सव कार्यक्रम के तहत् महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण करते हुए छात्र–छात्राएं एवं प्राध्यपकगण

नमामि गंगे

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस

- राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत 09 नवम्बर, 2021 को उत्तराखण्ड स्थापना दिवस की 21वीं वर्षगांठ मनायी गयी।
- इस दौरन 'आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड की परिकल्पना एवं गंगा स्वच्छता व संरक्षण' विषयक जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

09 नवम्बर, 2021 को उत्तराखण्ड स्थापना दिवस की 21वीं वर्षगांठ के अवसर पर नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड के तत्वाधान में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा 'आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड की परिकल्पना एवं गंगा स्वच्छता व संरक्षण' विषयक जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय मुख्यमंत्री के विशेष कार्यकारी अधिकारी श्री नवीन जोशी एवं श्री अमित पाण्डे जी रहें। कार्यक्रम के प्रतिभागियों द्वारा उत्तराखंड आंदोलनकारियों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनका स्मरण किया। इसके पश्चात् वक्ताओं द्वारा छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि, उत्तराखंड राज्य स्थापना के अवसर पर हमें कर्तव्यों और दायित्व का सम्यक निर्वाहन करना होगा, पृथक राज्य उत्तराखंड के निर्माताओं के स्वप्न को पूरा करने के लिए अपनी संस्कृति और विशिष्टता को संरक्षित और संवर्धन करना चाहिए। इसके वक्ताओं द्वारा कहा गया कि, चूकिं उत्तराखण्ड राज्य राष्ट्रीय नदी गंगा का उद्‌गम स्थल है जिसके दृष्टिगत राज्य वासियों की गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण हेतु जिम्मेदारी अधिक बढ़ जाती है।

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

राज्य स्थापना दिवस पर के अवसर पर छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुए अतिथि गण एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकगण

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

राज्य स्थापना दिवस पर के अवसर पर छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुए अतिथि गण एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकगण

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

राज्य स्थापना दिवस पर के अवसर पर छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुए अतिथि गण एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकगण

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

नदी उत्सव

- राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा, ऊधम सिंह नगर में दिनांक 17 से 23 नवम्बर, 2021 तक 'नदियों का उत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- इस दौरान महाविद्यालय द्वारा गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के प्रति स्वच्छता एवं संरक्षण के दृष्टिगत व्यापक स्तर पर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।

आजादी 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण भारत वर्ष में आयोजित किये जा रहे 'आजादी के अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत भारत की नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण के प्रति जनमानस में व्यापक जागरूकता के उद्देश्य से दिनांक 17 से 23 नवम्बर, 2021 तक आयोजित किये जा रहें 'नदियों का उत्सव' कार्यक्रम का राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार, एवं राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड के तत्वाधान में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा, ऊधम सिंह नगर द्वारा दिनांक 17 से 23 नवम्बर, 2021 तक वृहद स्तर पर गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के प्रति जनमानस में व्यापक जागरूकता एवं इस हेतु अपना पूर्ण योगदान दिये जाने के दृश्टिगत हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। हस्ताक्षर अभियान में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभाग कर जनमानस को हस्ताक्षर के माध्यम से गंगा एवं इसकी सहायक नदियों को स्वच्छ रखने की शपथ दिलाई गयी, साथ ही गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं निर्मलता बनाये रखने हेतु उनके सुझाव भी लिये गये।

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

नदियों का उत्सव' कार्यक्रम के तहत् आयोजित हस्ताक्षर अभियान में प्रतिभाग करते हुए छात्र–छात्राएं एवं जनमानस

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

नदियों का उत्सव' कार्यक्रम के तहत् आयोजित हस्ताक्षर अभियान में प्रतिभाग करते हुए छात्र–छात्राएं एवं जनमानस

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

नदियों का उत्सव' कार्यक्रम के तहत् आयोजित हस्ताक्षर अभियान में प्रतिभाग करते हुए छात्र–छात्राएं एवं जनमानस

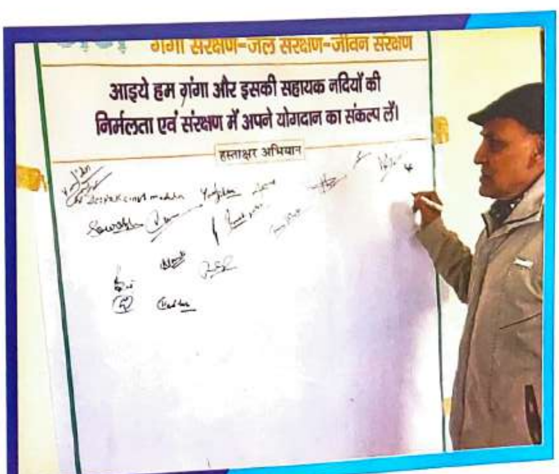

नदियों का उत्सव' कार्यक्रम के तहत् आयोजित हस्ताक्षर अभियान में प्रतिभाग करते हुए छात्र–छात्राएं एवं जनमानस

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

रक्तदान शिविर

- राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नमामि गंगे कार्यक्रम के 23 मार्च 2022 को बलिदान दिवस का आयोजन किया गया।
- कार्यक्रम में सर्वप्रथम भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु को महाविद्यालय में श्रद्धांजलि देकर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

23 मार्च 2022 को बलिदान दिवस पर नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड के तत्वाधान में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। स्वतंत्रता की लड़ाई में खुद को देश की वेदी पर चढ़ाने वाले नायक भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि देने के लिए मनाये जाने वाले बलिदान दिवस पर सर्वप्रथम भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु को महाविद्यालय में श्रद्धांजलि दी गयी। इसके पश्चात् महाविद्यालय परिसर में रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें छात्र–छात्राओं द्वारा रक्तदान किया गया। रक्त दान शिविर में प्रतिभाग कर रहें सभी प्रतिभागियों को गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण के प्रति भी जागरूक किया गया।

बलिदान दिवस पर आयोजित रक्त दान शिविर में प्रतिभाग करते हुए महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

बलिदान दिवस पर आयोजित रक्त दान शिविर में प्रतिभाग करते हुए महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

गंगा स्वच्छता पखवाड़ा

- दिनांक 15 से 31 मार्च, 2022 तक आयोजित किये जा रहें 'गंगा स्वच्छता पखवाड़ा' कार्यक्रम के तहत् राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ऊधम सिंह नगर में विभिन्न सूचना शिक्षा एंव संचार गतिविधियों का आयोजन किया गया।
- स्वच्छता रैली में छात्र–छात्राओं द्वारा गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण के संदेशयुक्त तख्तियों एवं उद्घोशों के माध्यम से जनमानस में जागरूकता प्रचारित की गयी।

राष्ट्रीय नदी गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण में सरकारी प्रयासों के साथ–साथ जनभागीदारी भी सुनिश्चित किये जाने के उद्देश्य से गंगा बेसिन राज्यों में दिनांक 15 से 31 मार्च, 2022 तक आयोजित किये जा रहें 'गंगा स्वच्छता पखवाड़ा' कार्यक्रम के तहत् राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड के तत्वाधान में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ऊधम सिंह नगर में गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण हेतु जनमानस में व्यापक जागरूकता के दृश्टिगत विभिन्न सूचना शिक्षा एंव संचार गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं एंव प्राध्यपकगणों द्वारा स्वच्छता रैली निकाल कर किया गया। इससे पूर्व कार्यक्रम में एकरूपता के दृश्टिगत छात्र–छात्राओं को नमामि गंगे लोगोयुक्त टी–शर्ट एवं कैप वितरित की गयी। स्वच्छता रैली में छात्र–छात्राओं द्वारा गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण के संदेशयुक्त तख्तियों एवं उद्घोषों के माध्यम से जनमानस में जागरूकता प्रचारित की गयी। इसके पश्चात् छात्र–छात्रओं द्वारा छठ पूजा घाट खटीमा में स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वच्छता अभियान के दौरान छात्र–छात्राओं द्वारा जनमानस को भी स्वच्छता बनाये रखने हेतु प्रेरित किया गया। अन्त में गंगा स्वच्छता पखवाडा कार्यक्रम के प्रतिभागियों ने गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण में अपना पूर्ण योगदान अदा करने की गंगा शपथ लेकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

उत्तराखण्ड शासन

कार्यक्रम की एकरूपता के दृष्टिगत छात्र–छात्रओं नमामि गंगे लोगोयुक्त टी–शर्ट एवं कैप वितरित करते हुए

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

स्वच्छता रैली निकालते हुए महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं

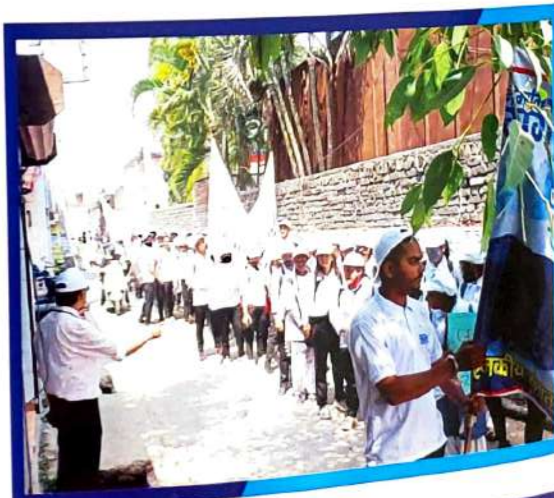

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

स्वच्छता रैली निकालते हुए महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

स्वच्छता अभियान चलाते हुए महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं

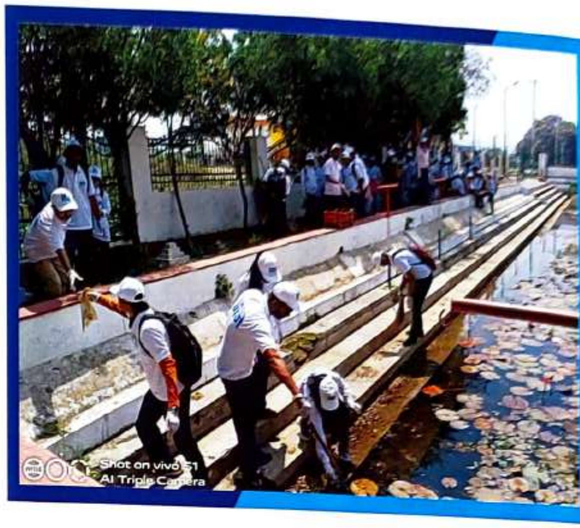

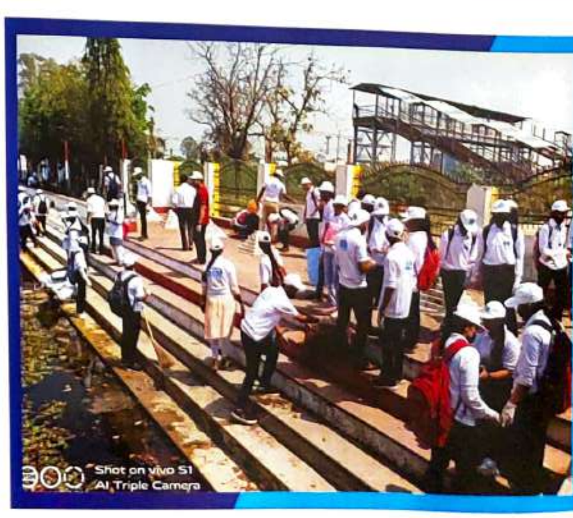

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण की शपथ लेते हुए महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं

स्वच्छता अभियान चलाते हुए महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं

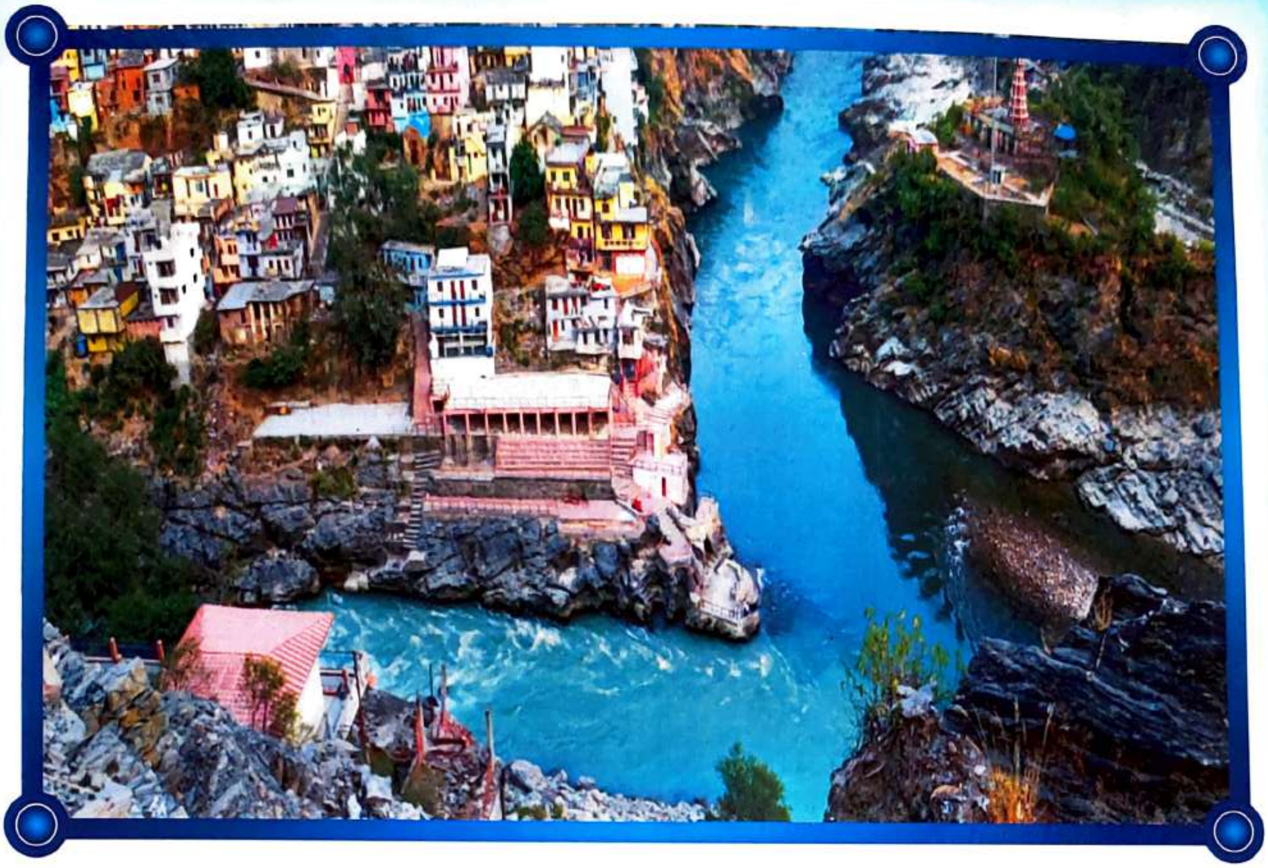

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

नमामि गंगे

उत्तराखण्ड शासन

हेमवती नन्दन बहुगुणा
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खटीमा (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
WX97+W5M, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.920069°
Long 79.96294°
12/04/23 05:56 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
Near Telephone exchange, Degree college road khatima BSNL TOWER,
WX97+W4V, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.919939°
Long 79.962635°
13/04/23 08:39 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
Near Telephone exchange, Degree college road khatima BSNL TOWER,
WX97+W4V, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.919943°
Long 79.962615°
13/04/23 08:39 AM GMT +05:30
Google

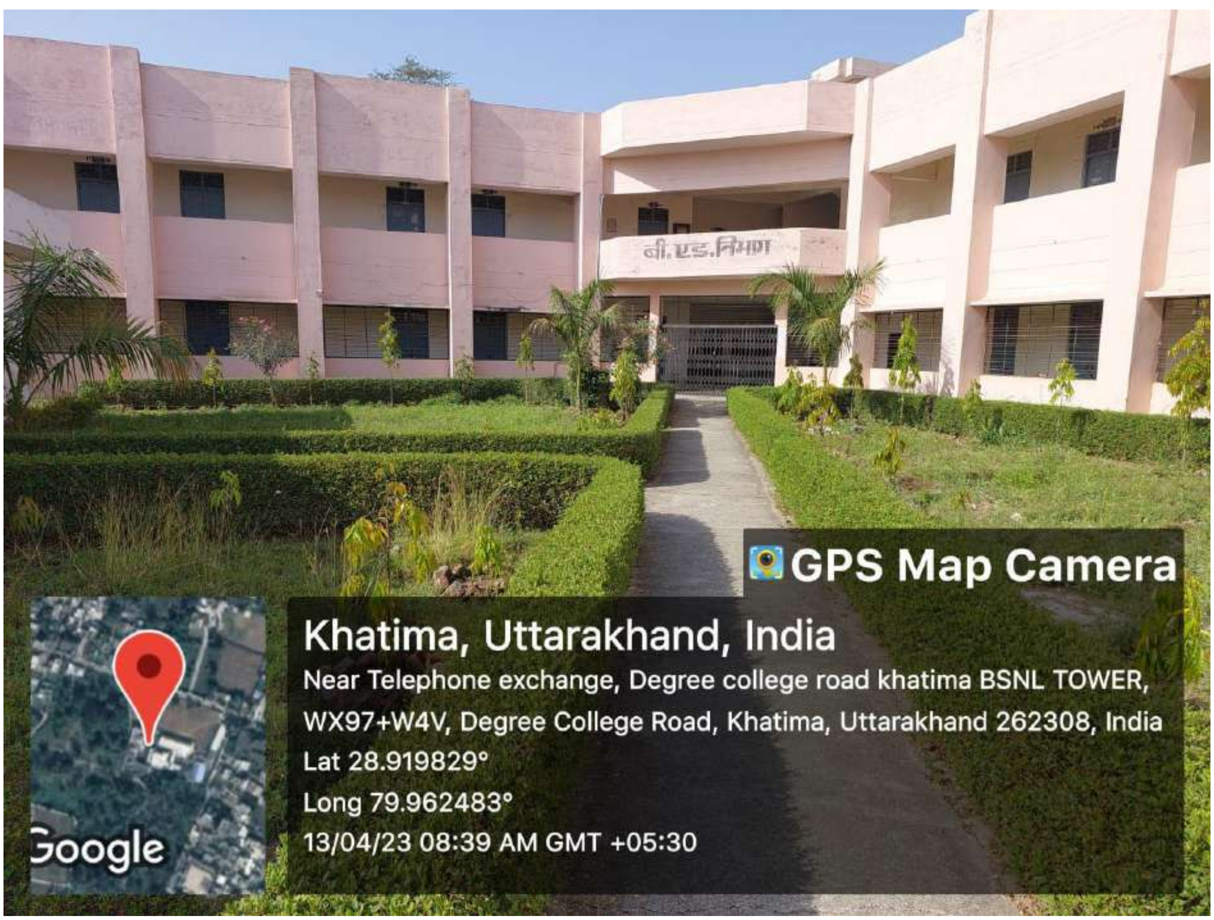
बी.एड.विभाग
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
Near Telephone exchange, Degree college road khatima BSNL TOWER,
WX97+W4V, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.919829°
Long 79.962483°
13/04/23 08:39 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
Near Telephone exchange, Degree college road khatima BSNL TOWER,
WX97+W4V, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.919672°
Long 79.962328°
13/04/23 08:41 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
Near Telephone exchange, Degree college road khatima BSNL TOWER,
WX97+W4V, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.919658°
Long 79.962324°
13/04/23 08:41 AM GMT +05:30
Google

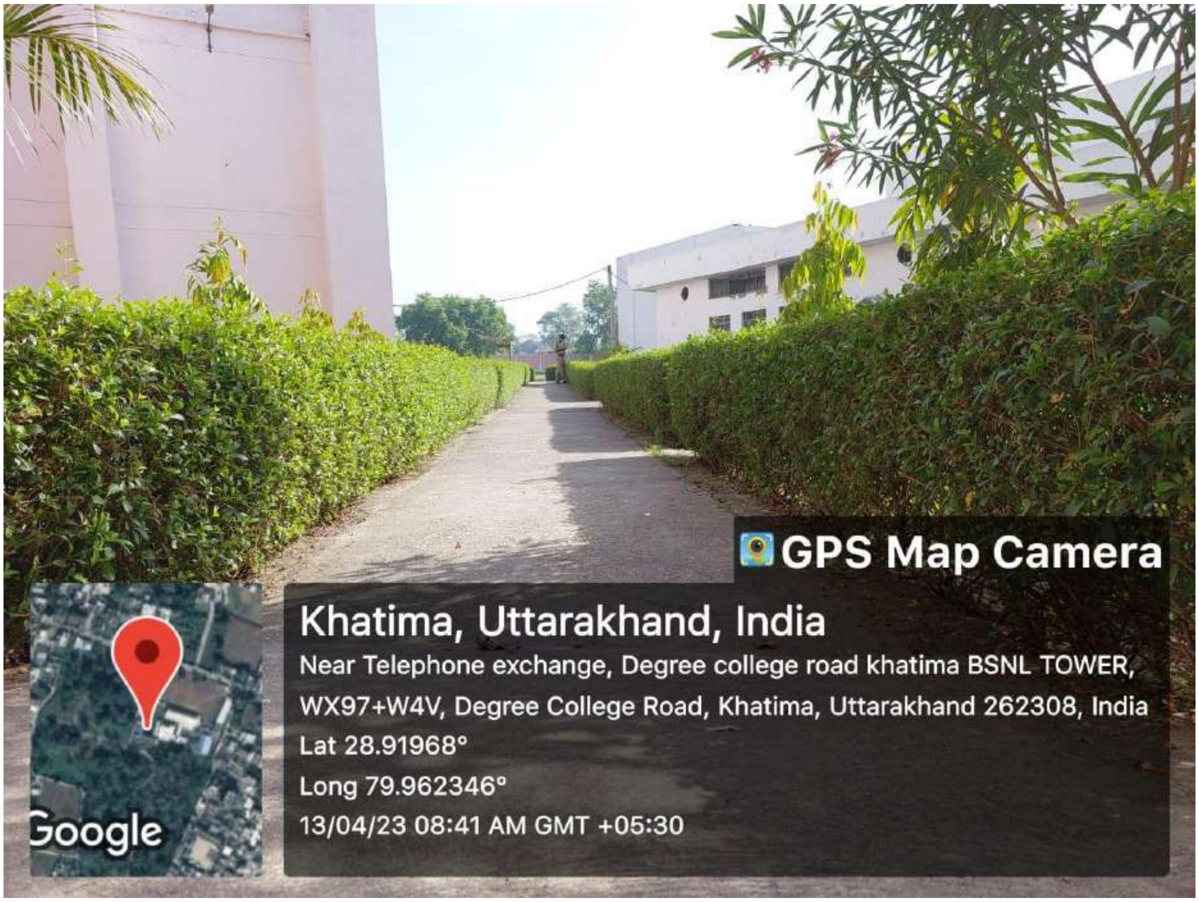
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
Near Telephone exchange, Degree college road khatima BSNL TOWER, WX97+W4V, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.91968°
Long 79.962346°
13/04/23 08:41 AM GMT +05:30
Google

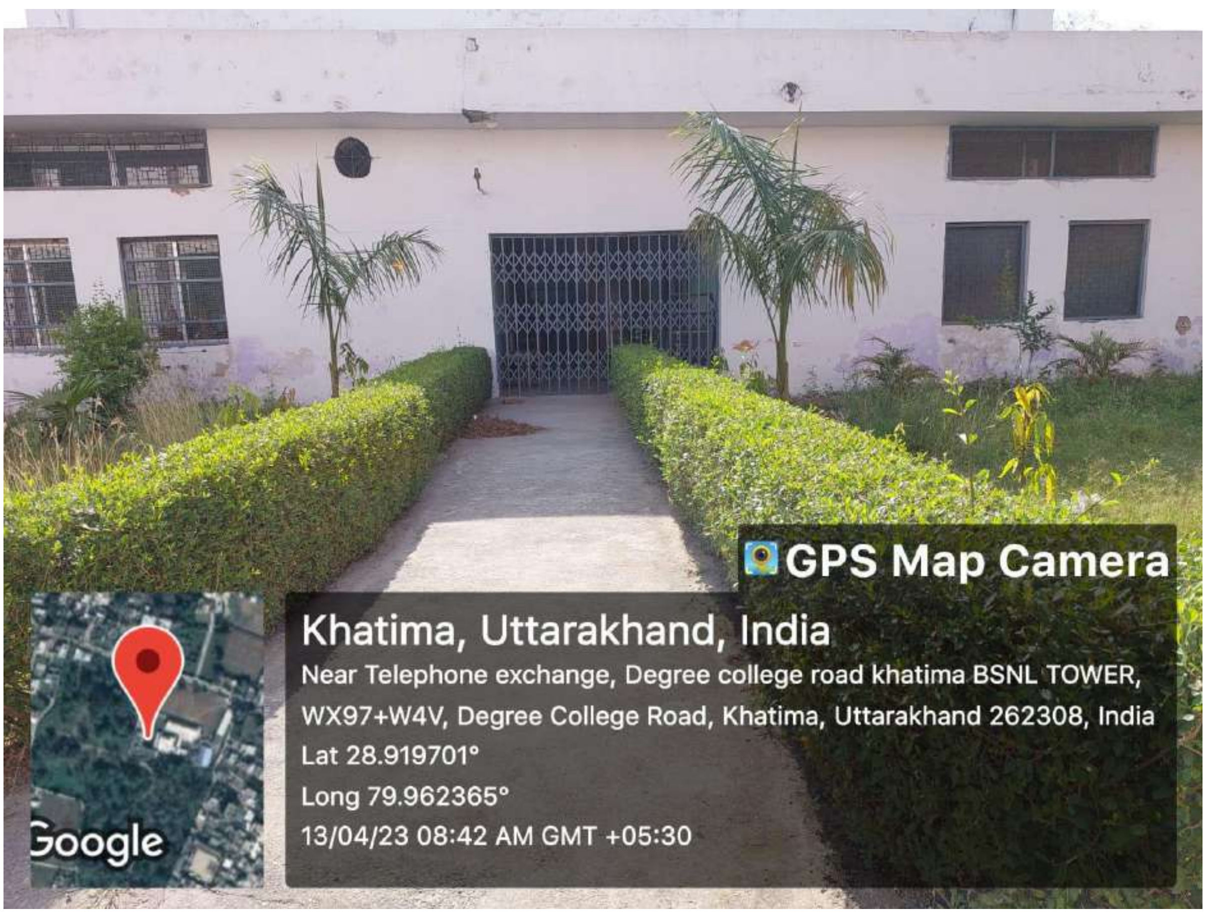
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
Near Telephone exchange, Degree college road khatima BSNL TOWER, WX97+W4V, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.919701°
Long 79.962365°
13/04/23 08:42 AM GMT +05:30
Google

P.G. BLOCK
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
WX97+W5M, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.919731°
Long 79.962821°
13/04/23 08:44 AM GMT +05:30
Google

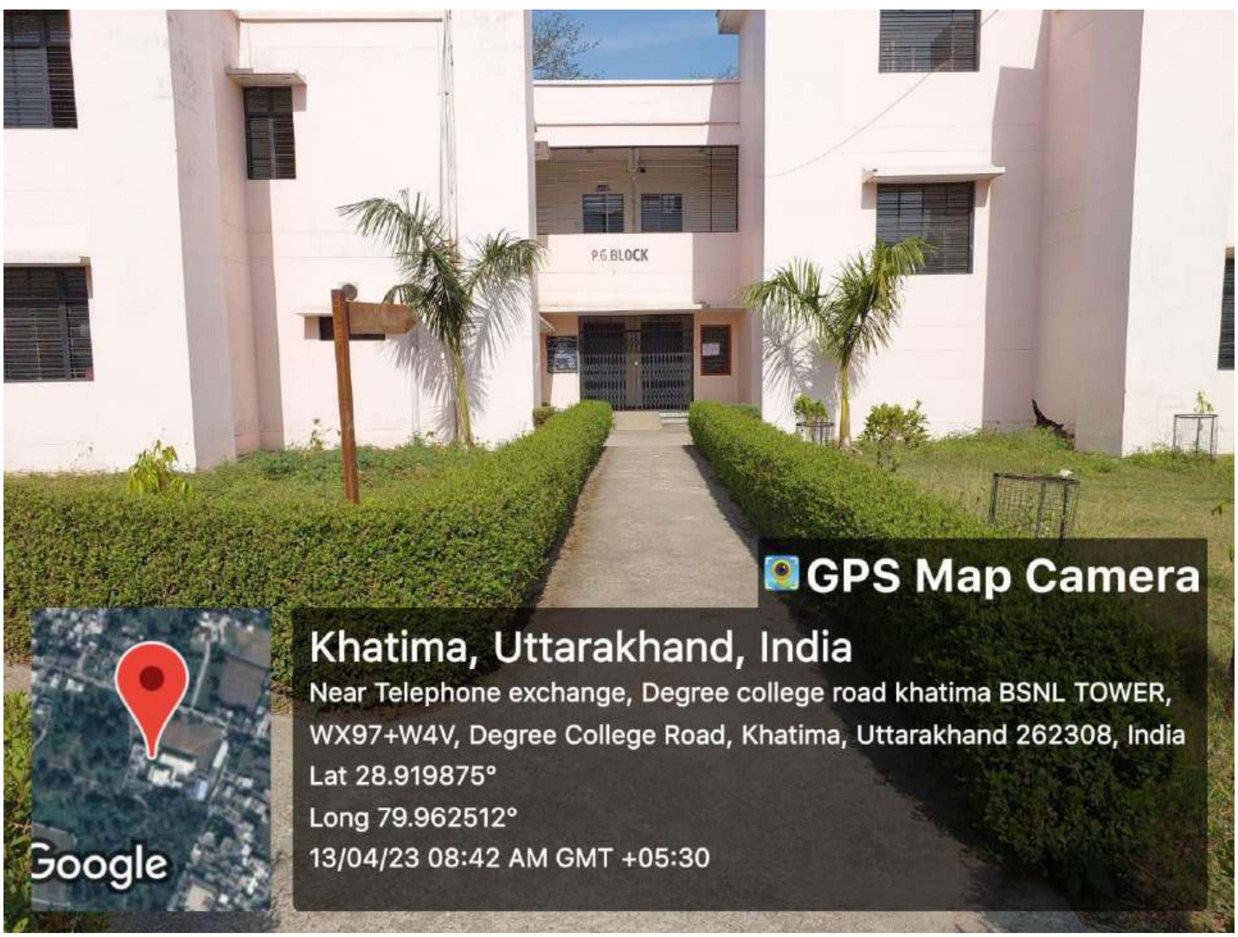
P.G. BLOCK
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
Near Telephone exchange, Degree college road khatima BSNL TOWER,
WX97+W4V, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.919875°
Long 79.962512°
13/04/23 08:42 AM GMT +05:30
Google

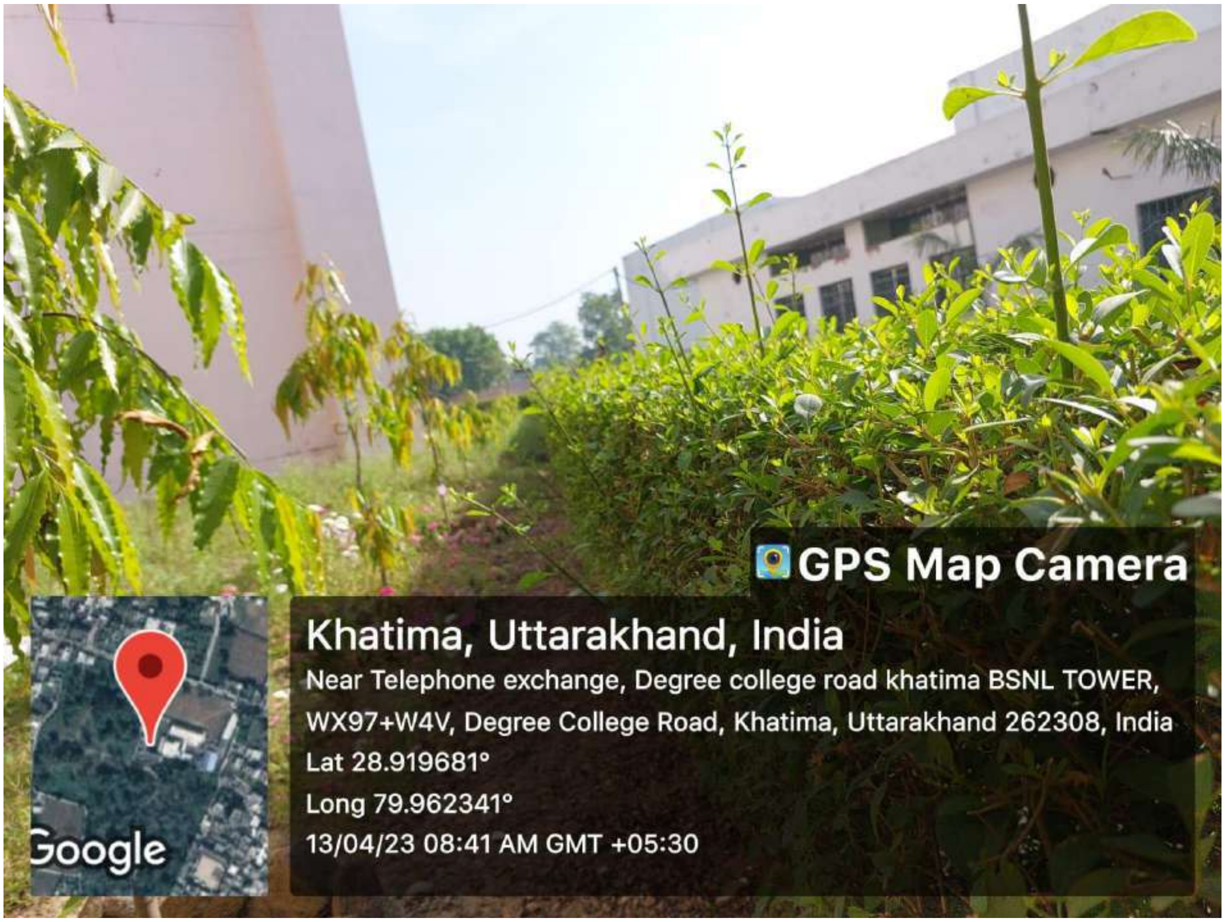
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
Near Telephone exchange, Degree college road khatima BSNL TOWER, WX97+W4V, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.919681°
Long 79.962341°
13/04/23 08:41 AM GMT +05:30
Google

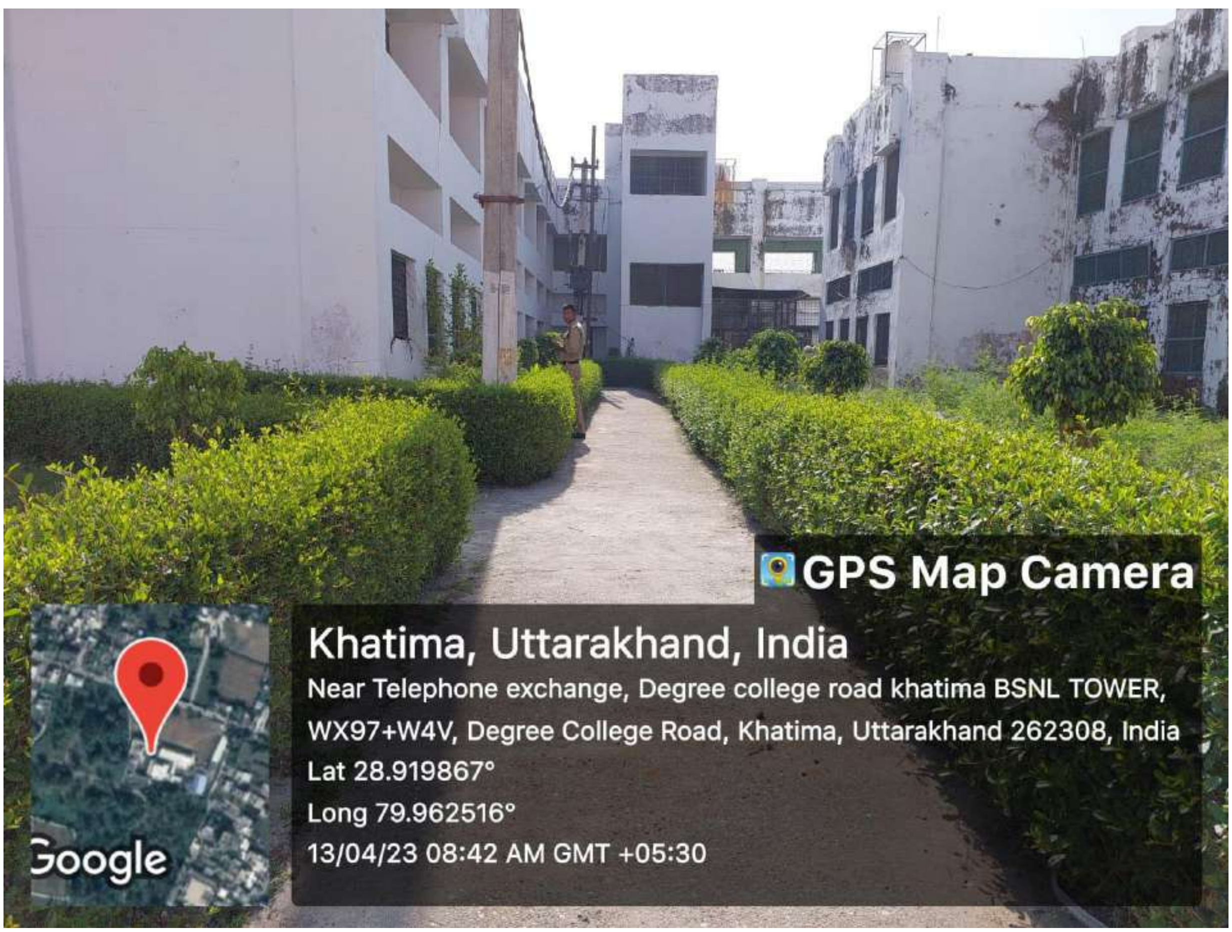
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
Near Telephone exchange, Degree college road khatima BSNL TOWER, WX97+W4V, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.919867°
Long 79.962516°
13/04/23 08:42 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
Near Telephone exchange, Degree college road khatima BSNL TOWER,
WX97+W4V, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.919669°
Long 79.962344°
13/04/23 08:41 AM GMT +05:30
Google

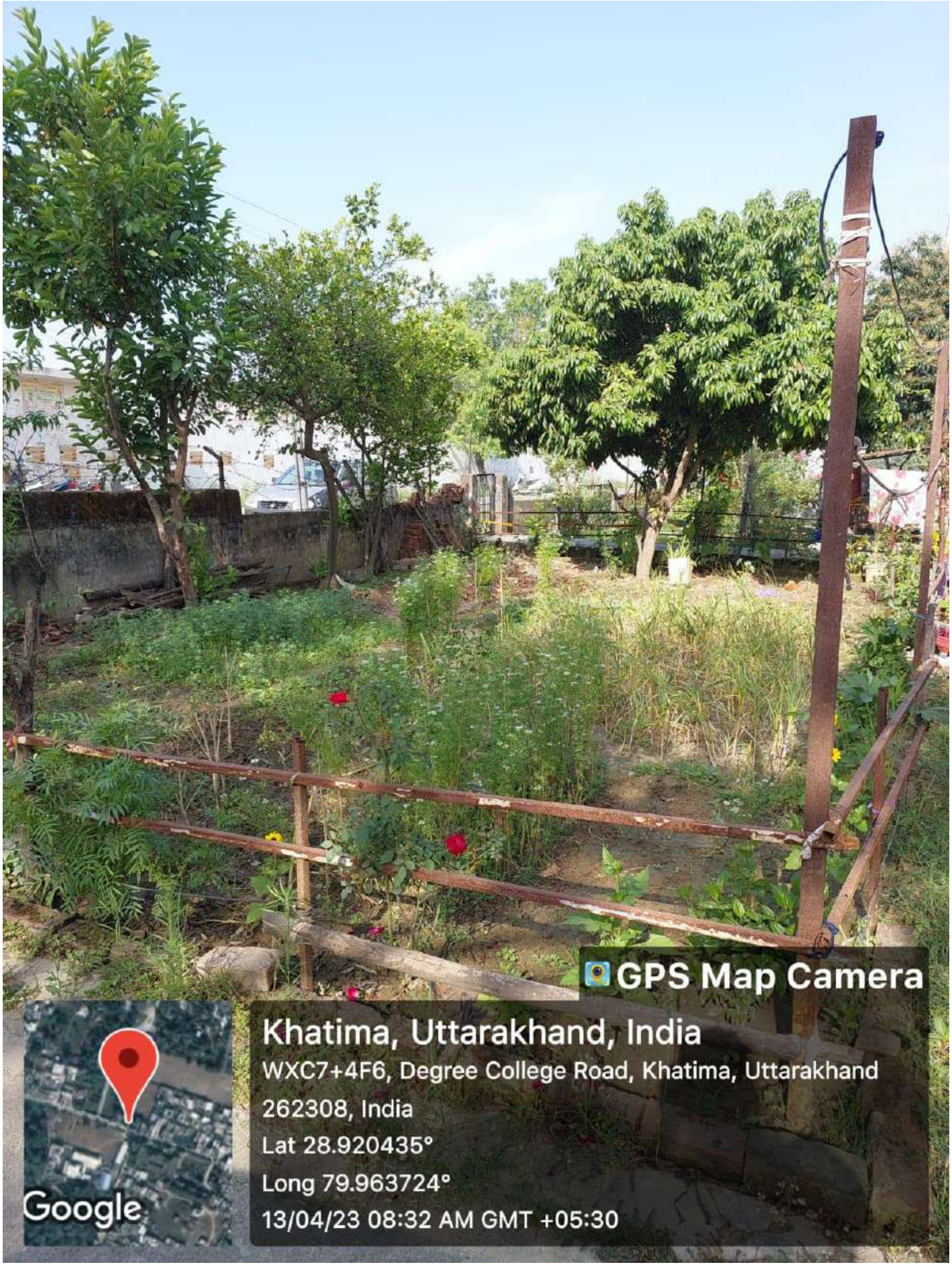
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
WXC7+4F6, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.920435°
Long 79.963724°
13/04/23 08:32 AM GMT +05:30
Google

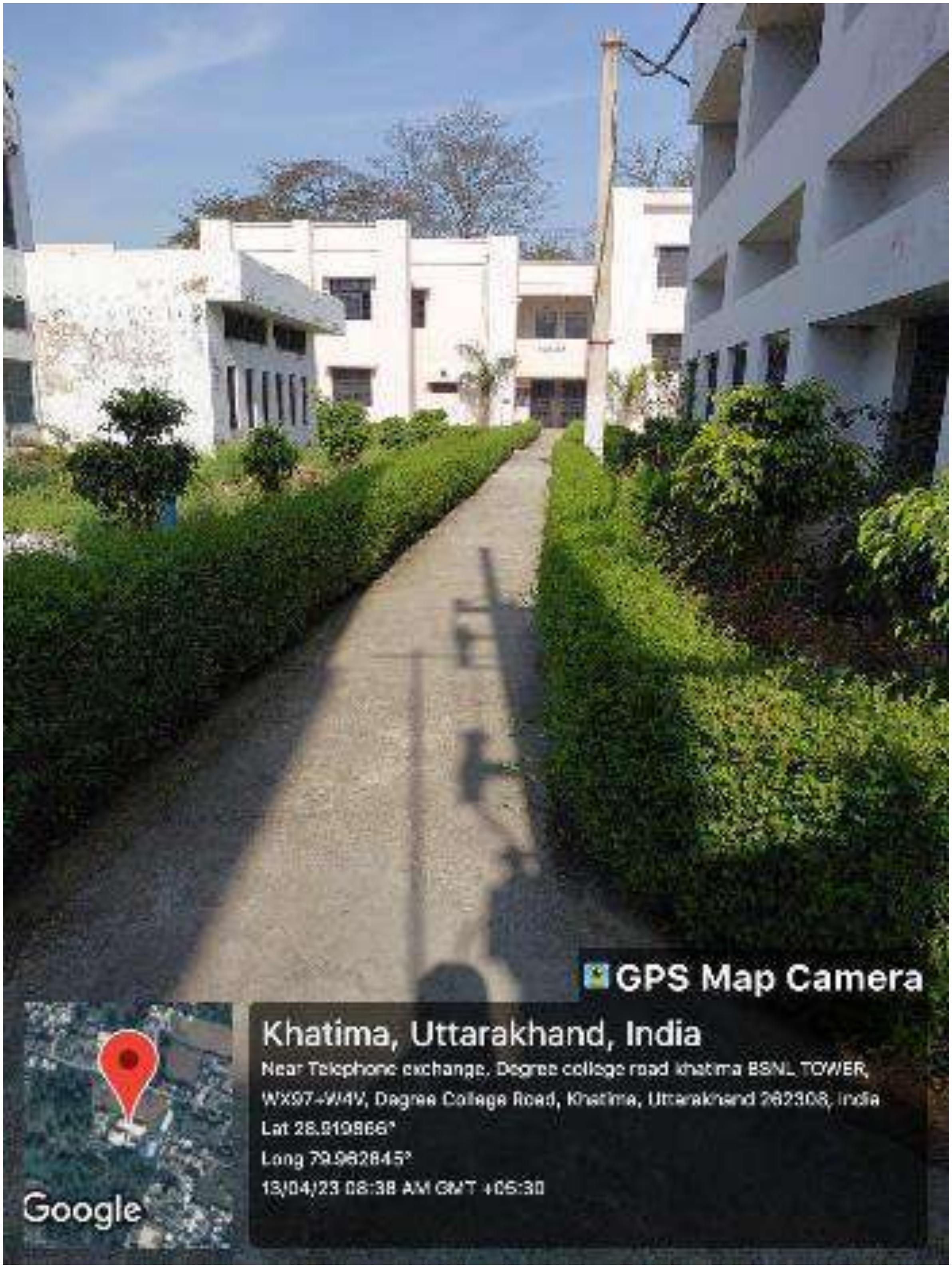
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
Near Telephone exchange. Degree college road khatima BSNL TOWER,
WX97+W4V, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.919866°
Long 79.982845°
13/04/23 08:38 AM GMT +05:30
Google

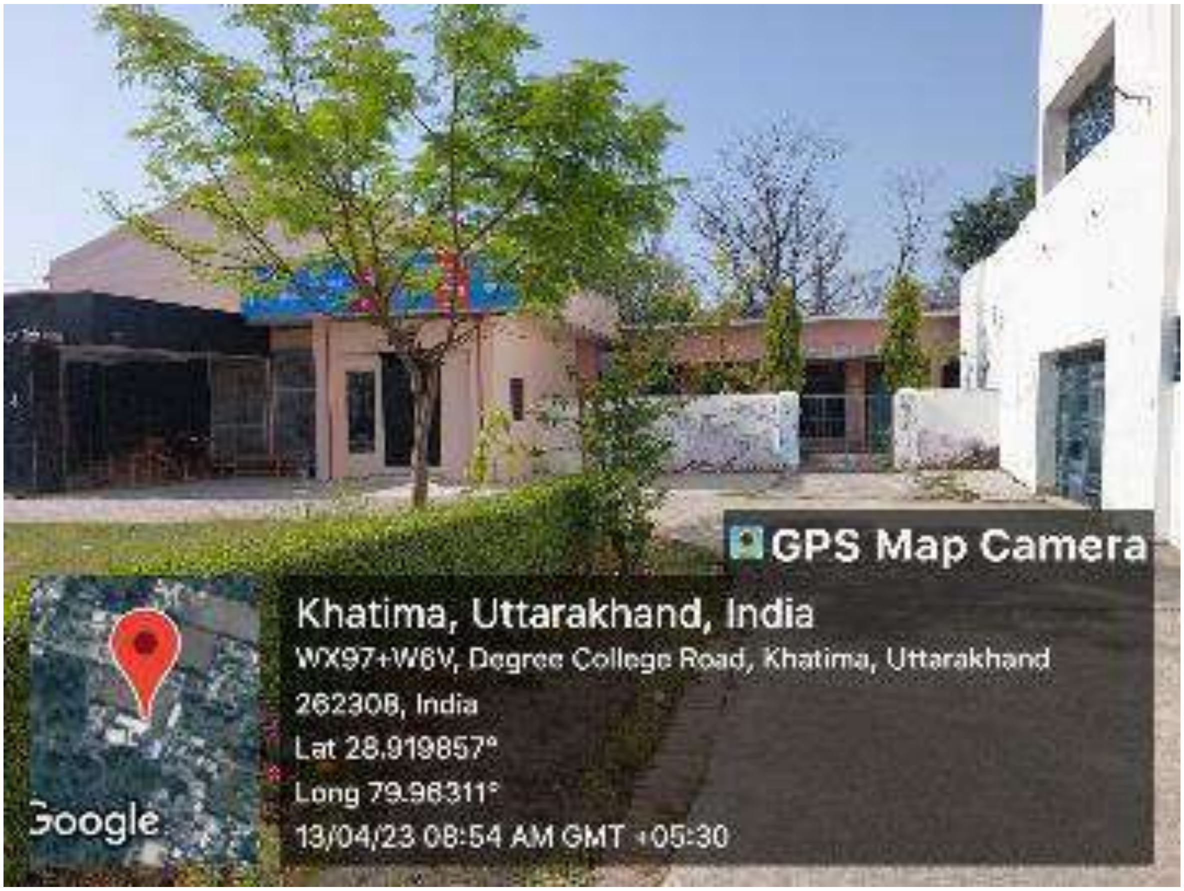
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
WX97+W6V, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand
262308, India
Lat 28.919857°
Long 79.96311°
13/04/23 08:54 AM GMT +05:30
Google

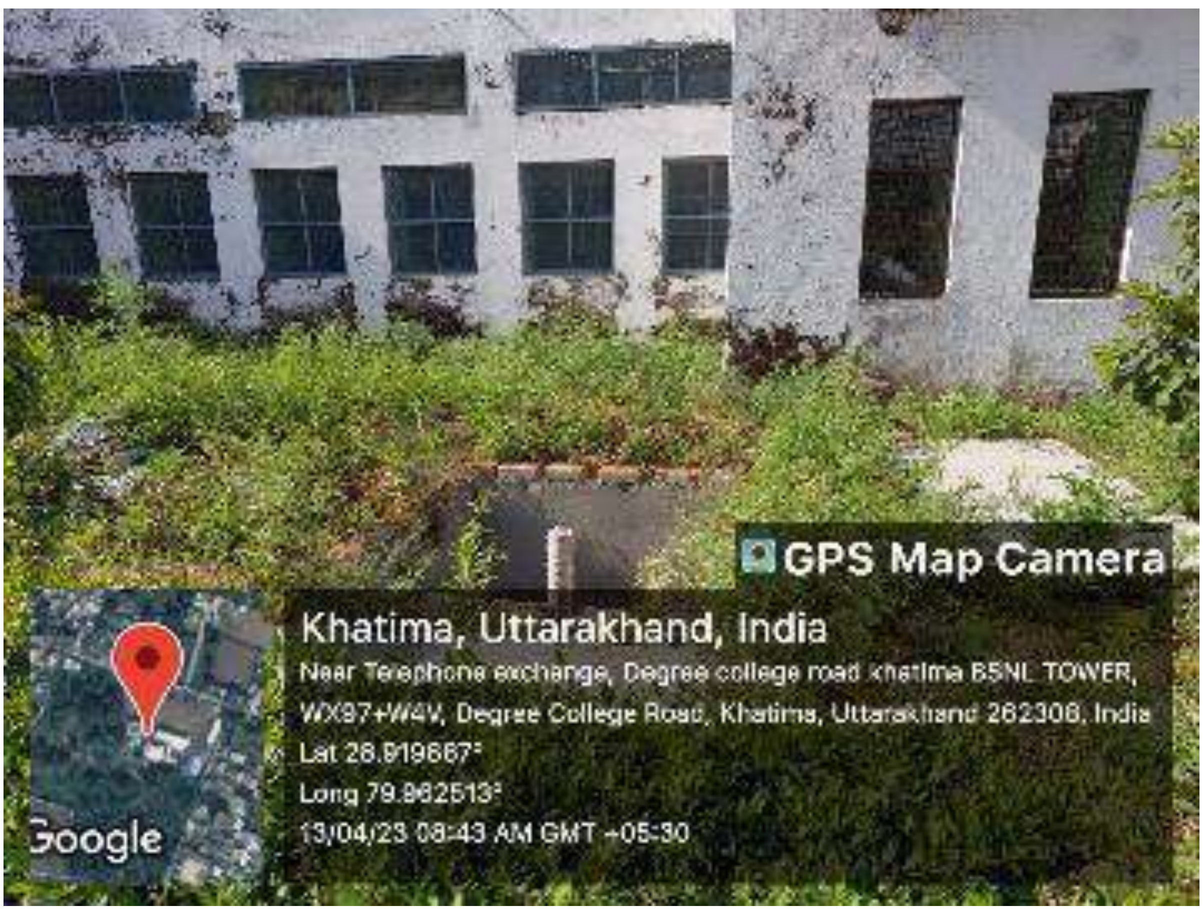
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
Near Telephone exchange, Degree college road khatima BSNL TOWER,
WX97+W4V, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.919667°
Long 79.962513°
13/04/23 08:43 AM GMT +05:30
Google

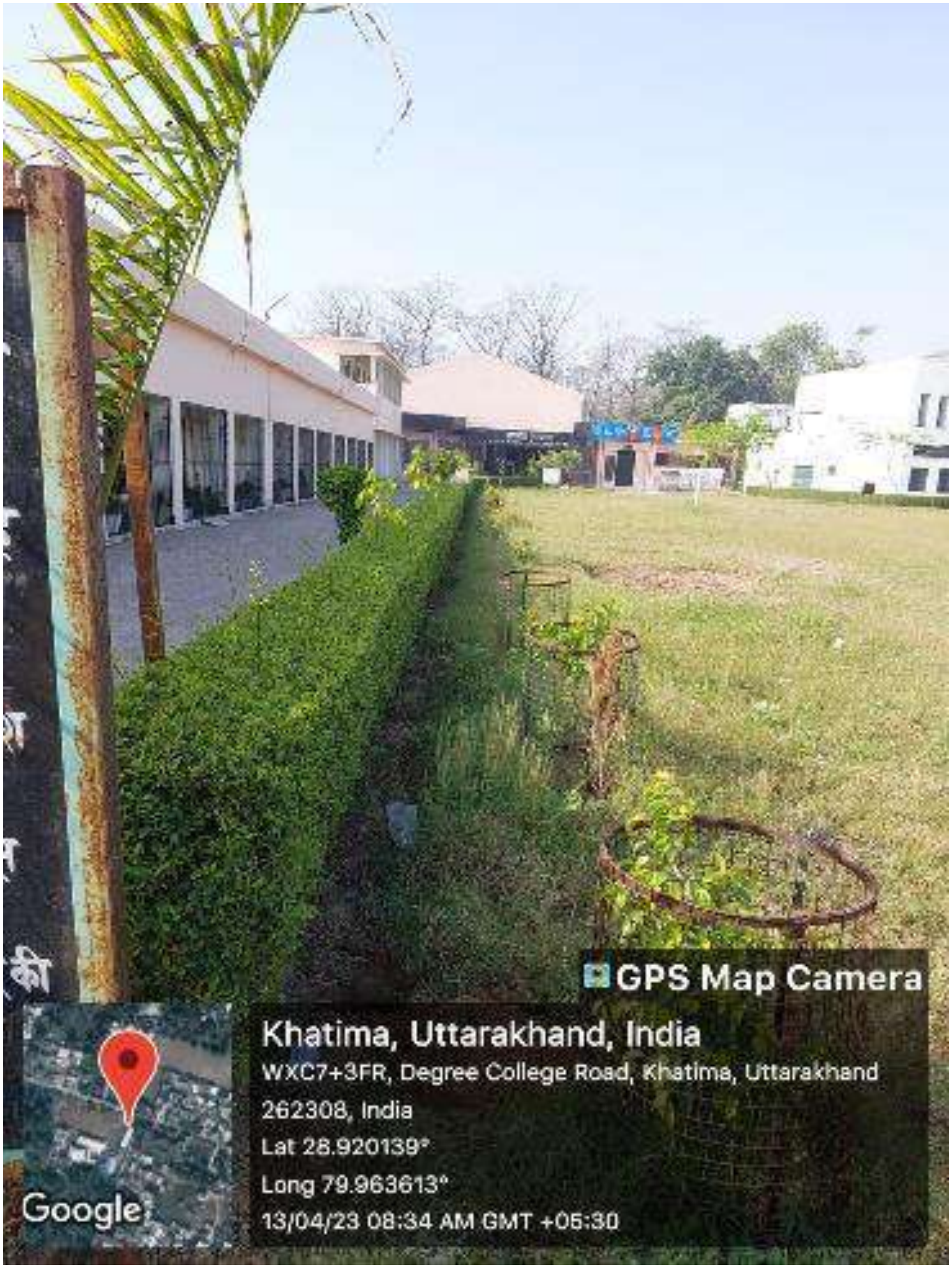
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
WXC7+3FR, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand
262308, India
Lat 28.920139°
Long 79.963613°
13/04/23 08:34 AM GMT +05:30
Google

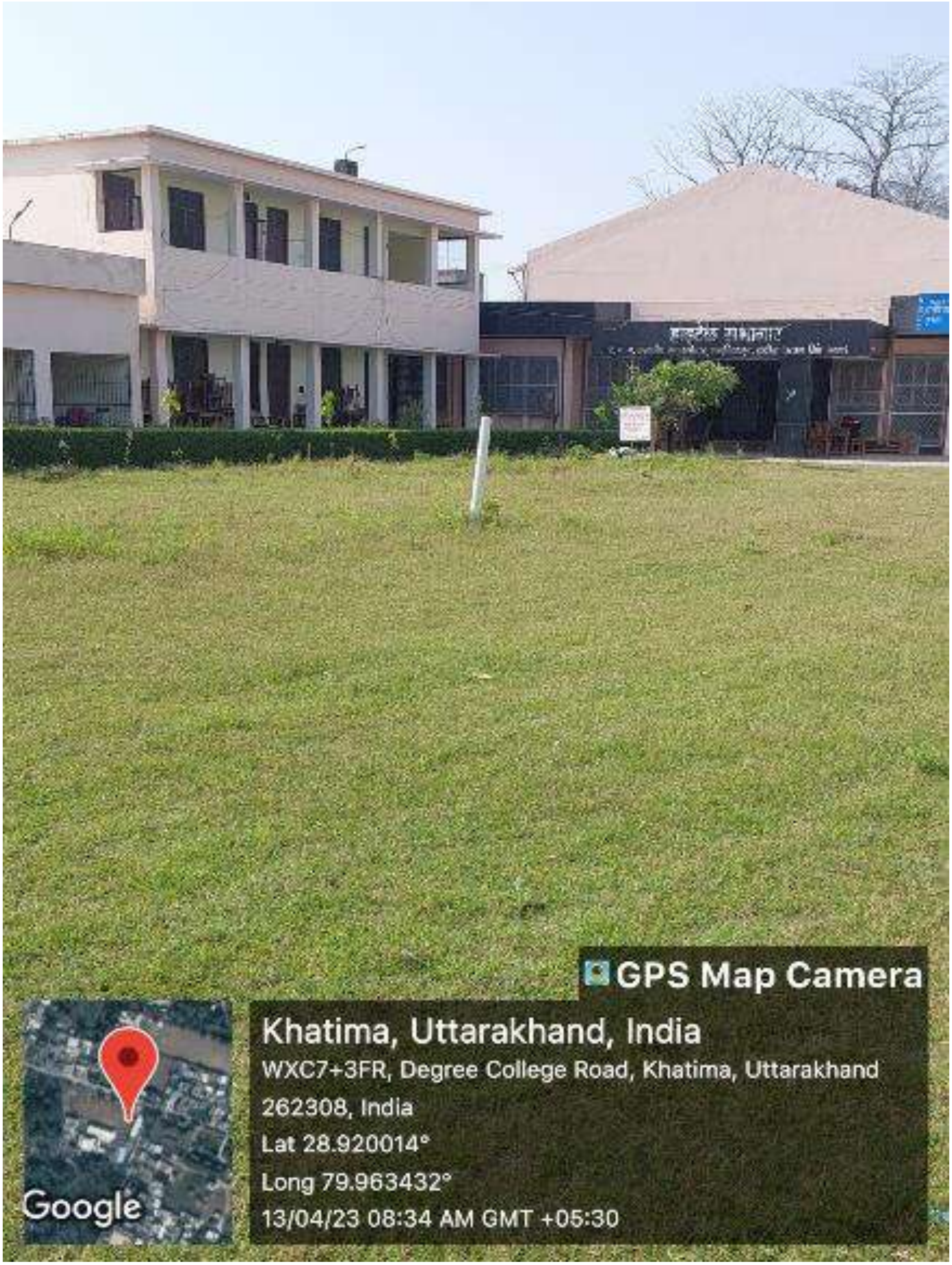
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
WXC7+3FR, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand
262308, India
Lat 28.920014°
Long 79.963432°
13/04/23 08:34 AM GMT +05:30
Google

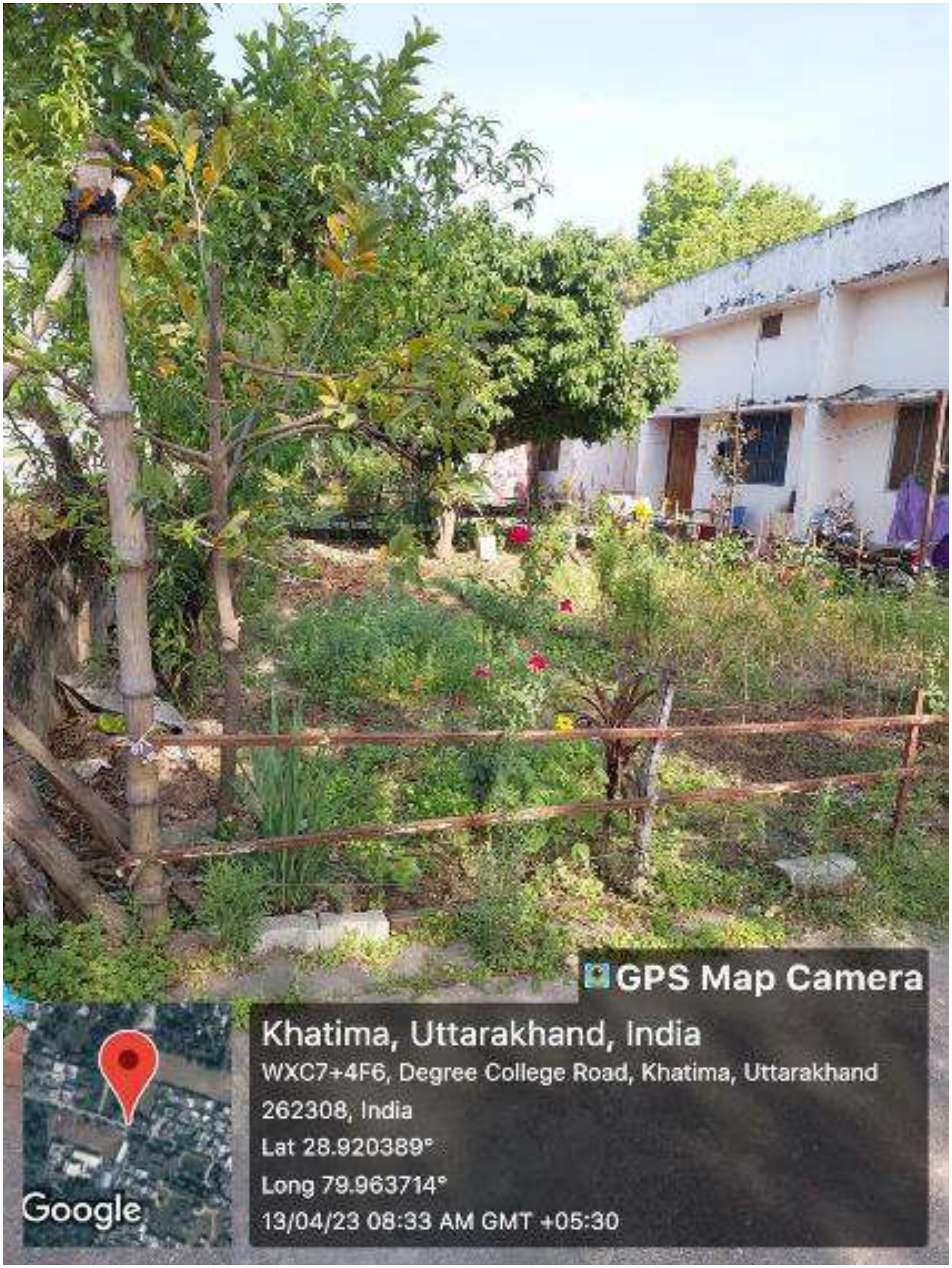
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
WXC7+4F6, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand
262308, India
Lat 28.920389°
Long 79.963714°
13/04/23 08:33 AM GMT +05:30
Google

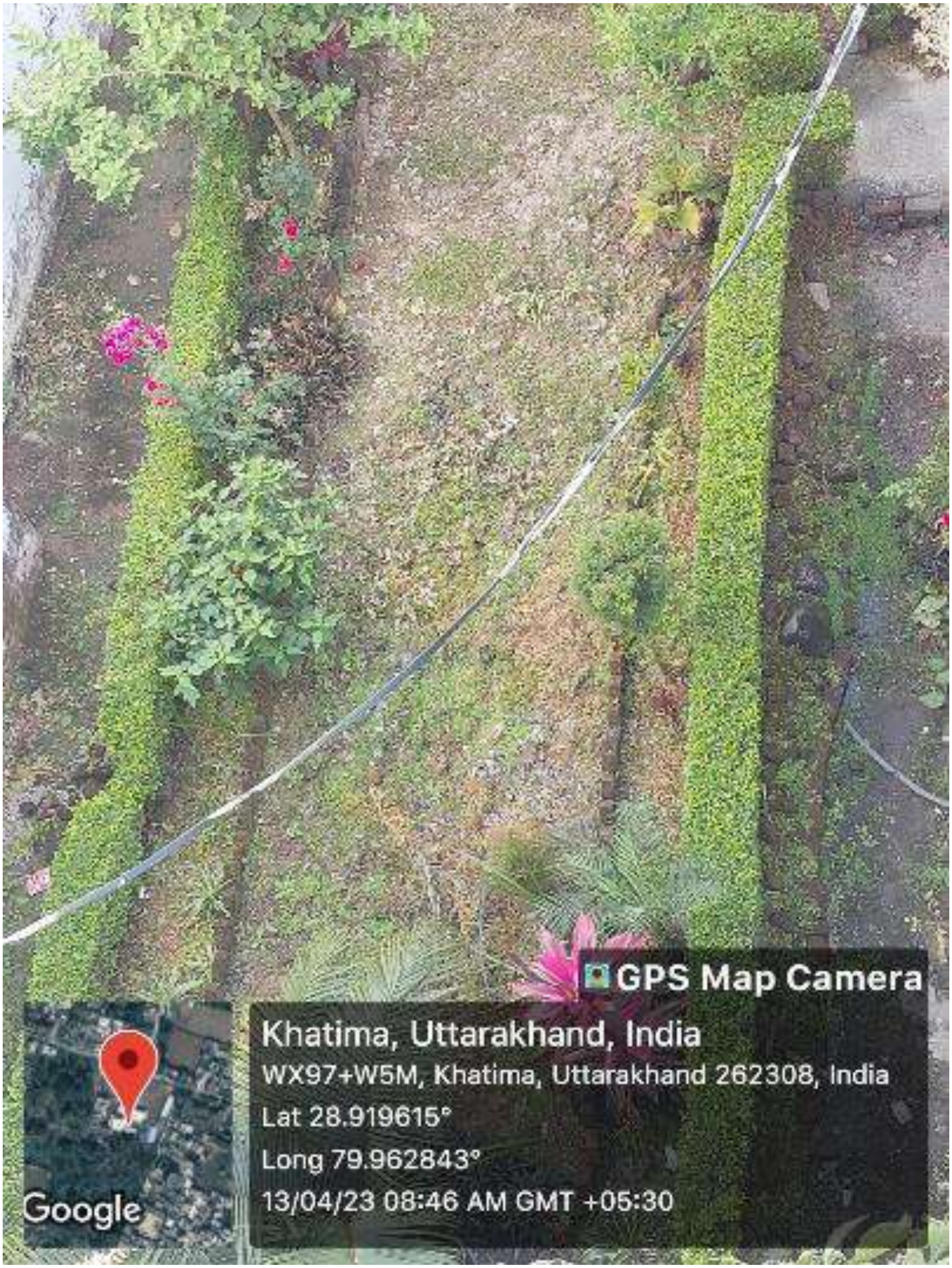
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
WX97+W5M, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.919615°
Long 79.962843°
13/04/23 08:46 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
WX97+W5M, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.919637°
Long 79.96284°
13/04/23 08:47 AM GMT +05:30
Google

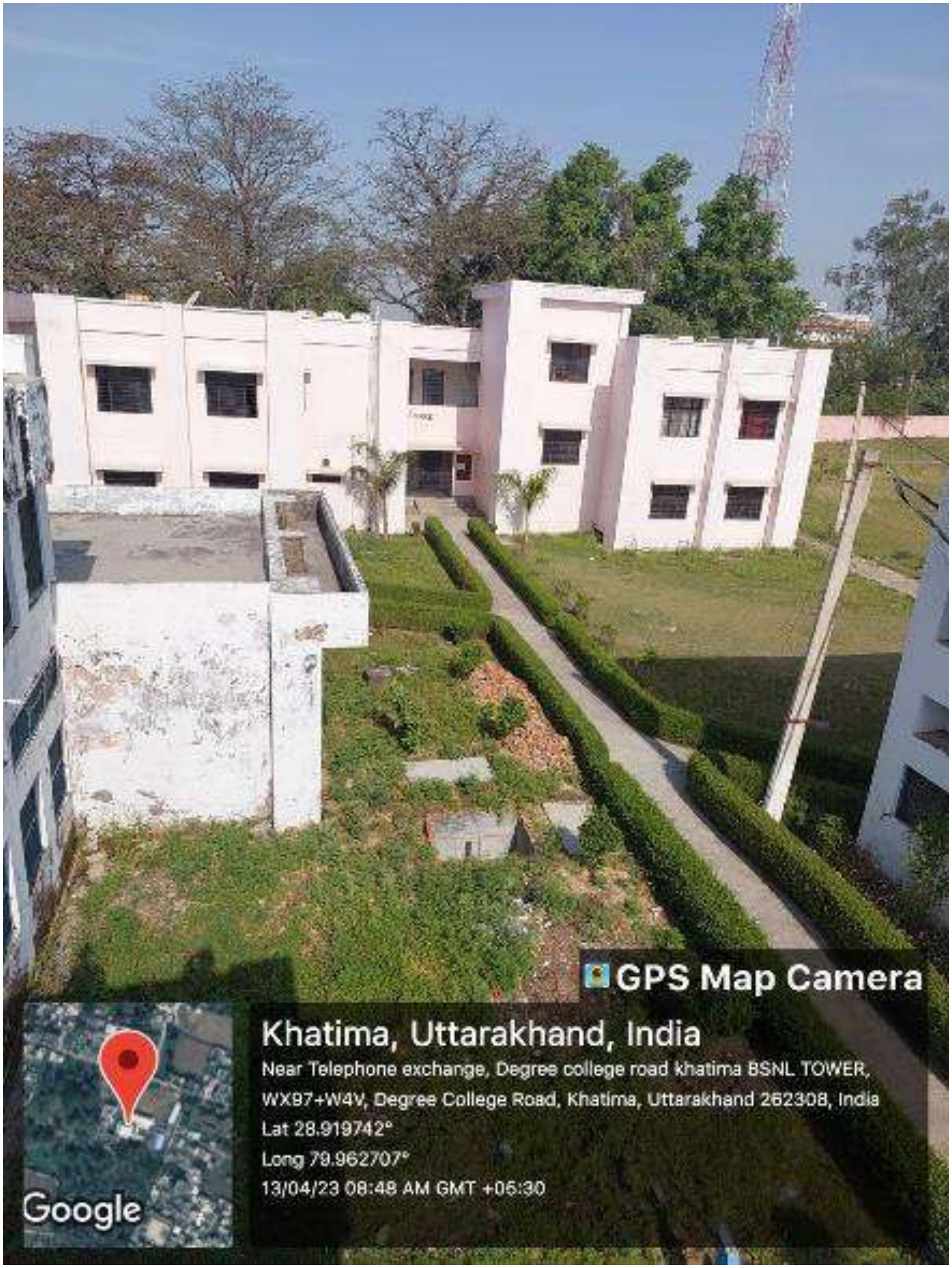
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
Near Telephone exchange, Degree college road khatima BSNL TOWER, WX97+W4V, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.919742°
Long 79.962707°
13/04/23 08:48 AM GMT +05:30
Google

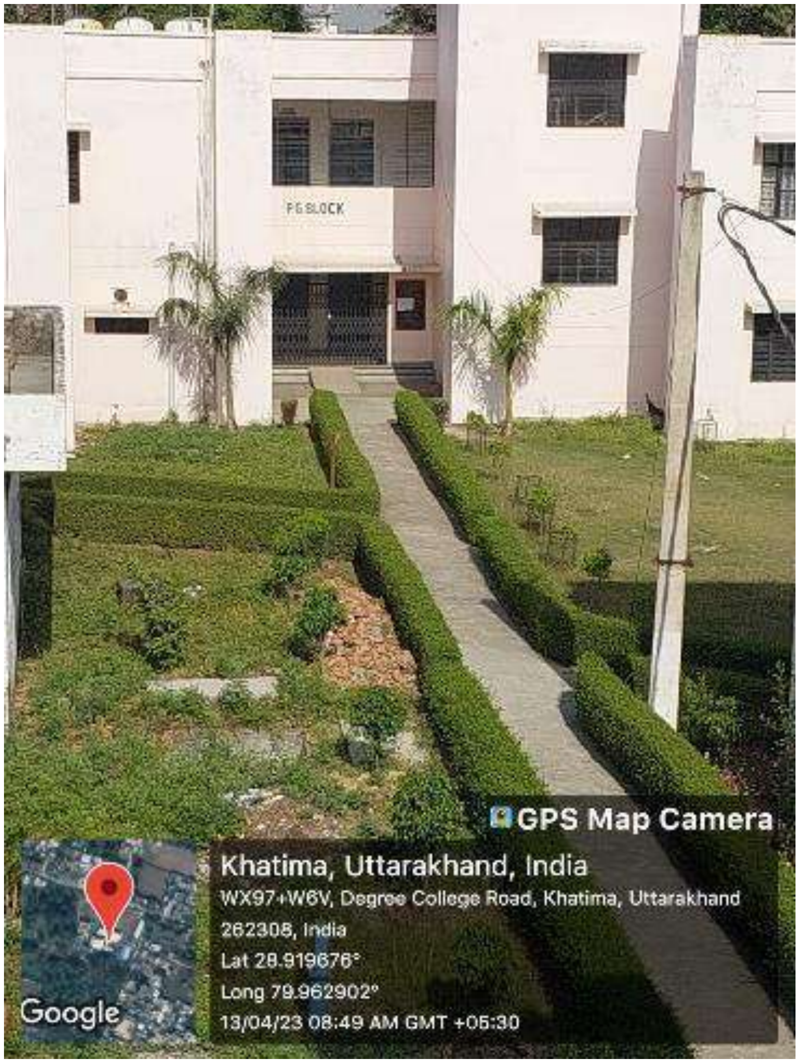
P.G BLOCK
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
WX97+W6V, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand
262308, India
Lat 28.919676°
Long 79.962902°
13/04/23 08:49 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
WX97+W5M, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.91983°
Long 79.96296°
13/04/23 08:51 AM GMT +05:30
Google

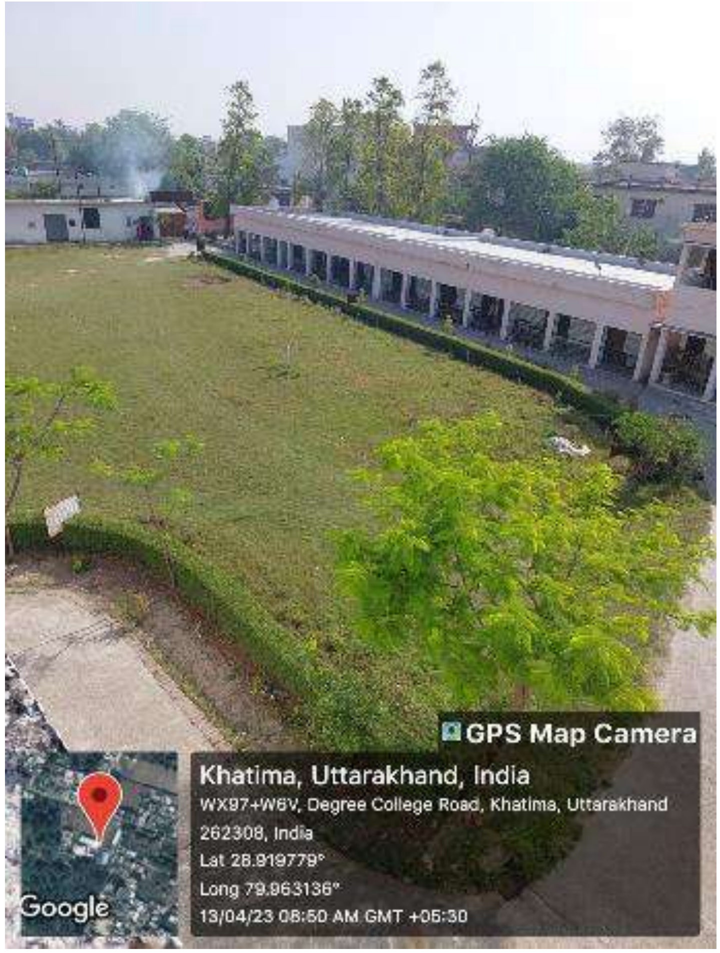
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
WX97+W6V, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand
262308, India
Lat 28.919779°
Long 79.963136°
13/04/23 08:50 AM GMT +05:30
Google

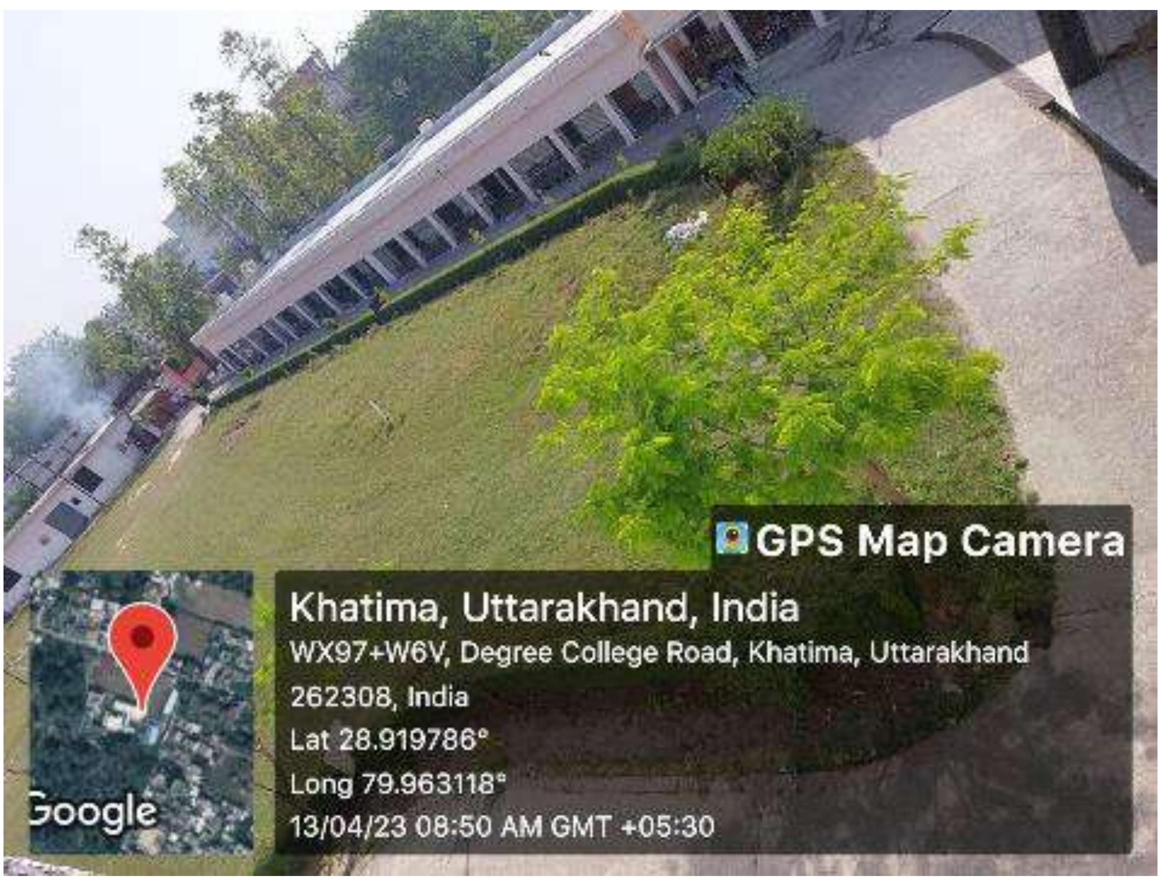
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
WX97+W6V, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand
262308, India
Lat 28.919786°
Long 79.963118°
13/04/23 08:50 AM GMT +05:30

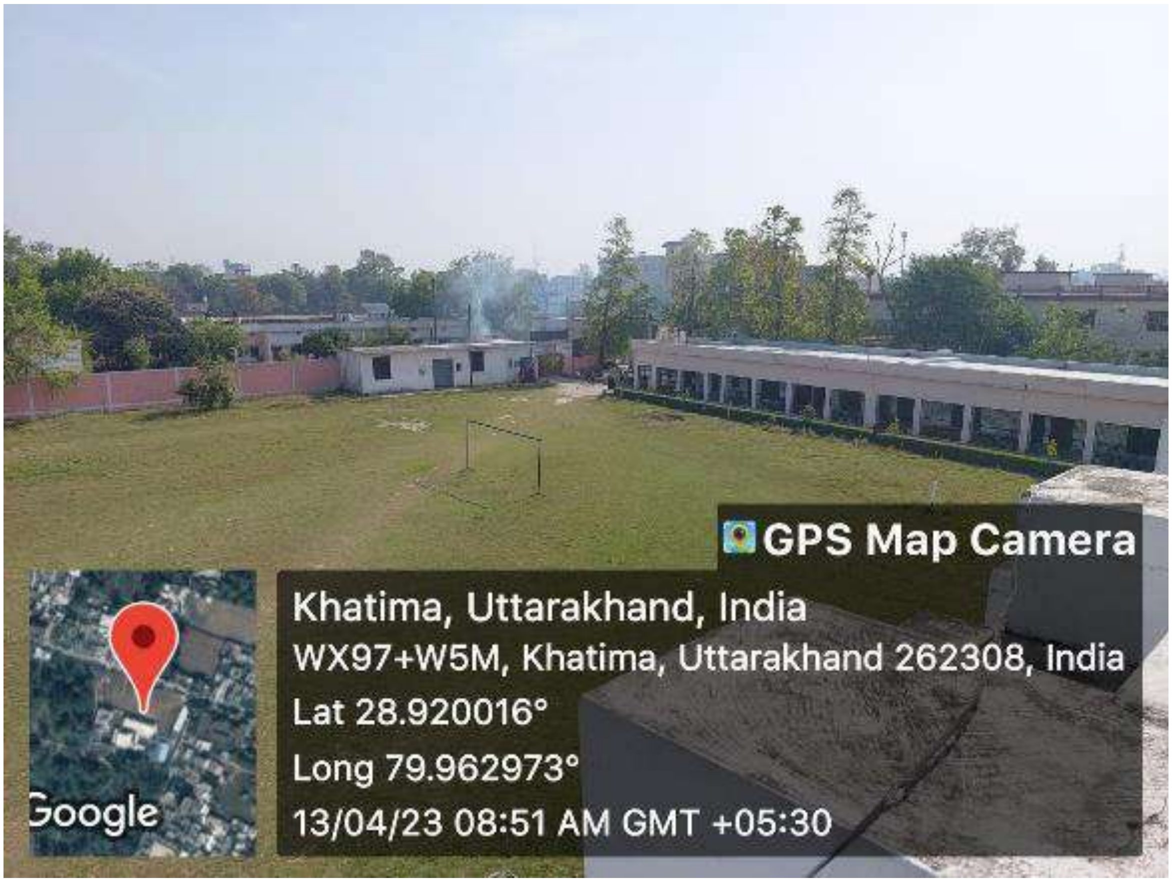
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
WX97+W5M, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.920016°
Long 79.962973°
13/04/23 08:51 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
WX97+W5M, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.919927°
Long 79.962931°
13/04/23 08:53 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
WXC7+3FR, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand
262308, India
Lat 28.920012°
Long 79.963536°
13/04/23 03:36 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
WXC7+3FR, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand
262308, India
Lat 28.920023°
Long 79.963535°
13/04/23 03:36 PM GMT +05:30
Google

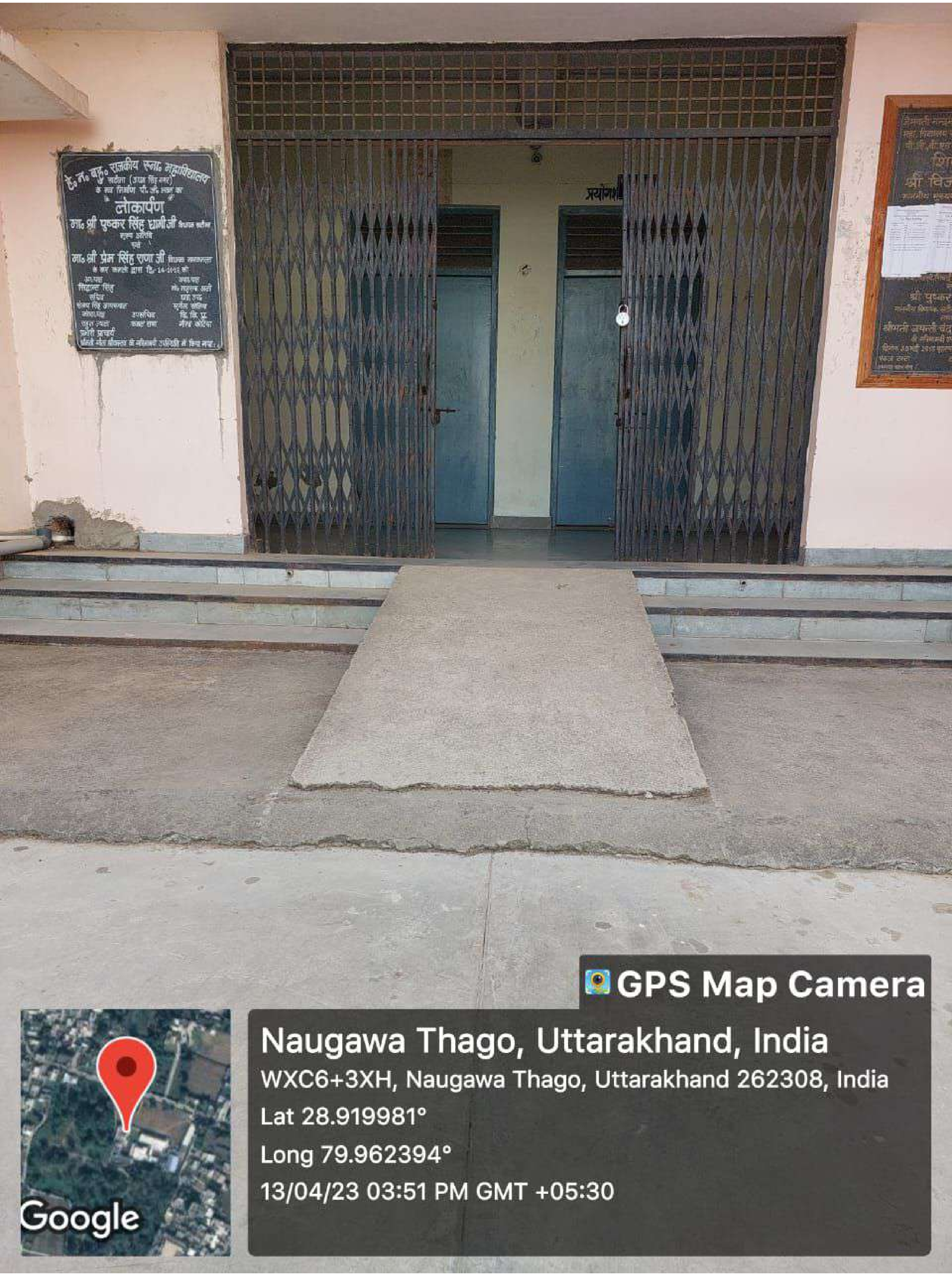
GPS Map Camera
Naugawa Thago, Uttarakhand, India
WXC6+3XH, Naugawa Thago, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.919981°
Long 79.962394°
13/04/23 03:51 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Naugawa Thago, Uttarakhand, India
WXC6+3XH, Naugawa Thago, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.91997°
Long 79.962328°
13/04/23 03:51 PM GMT +05:30
Google

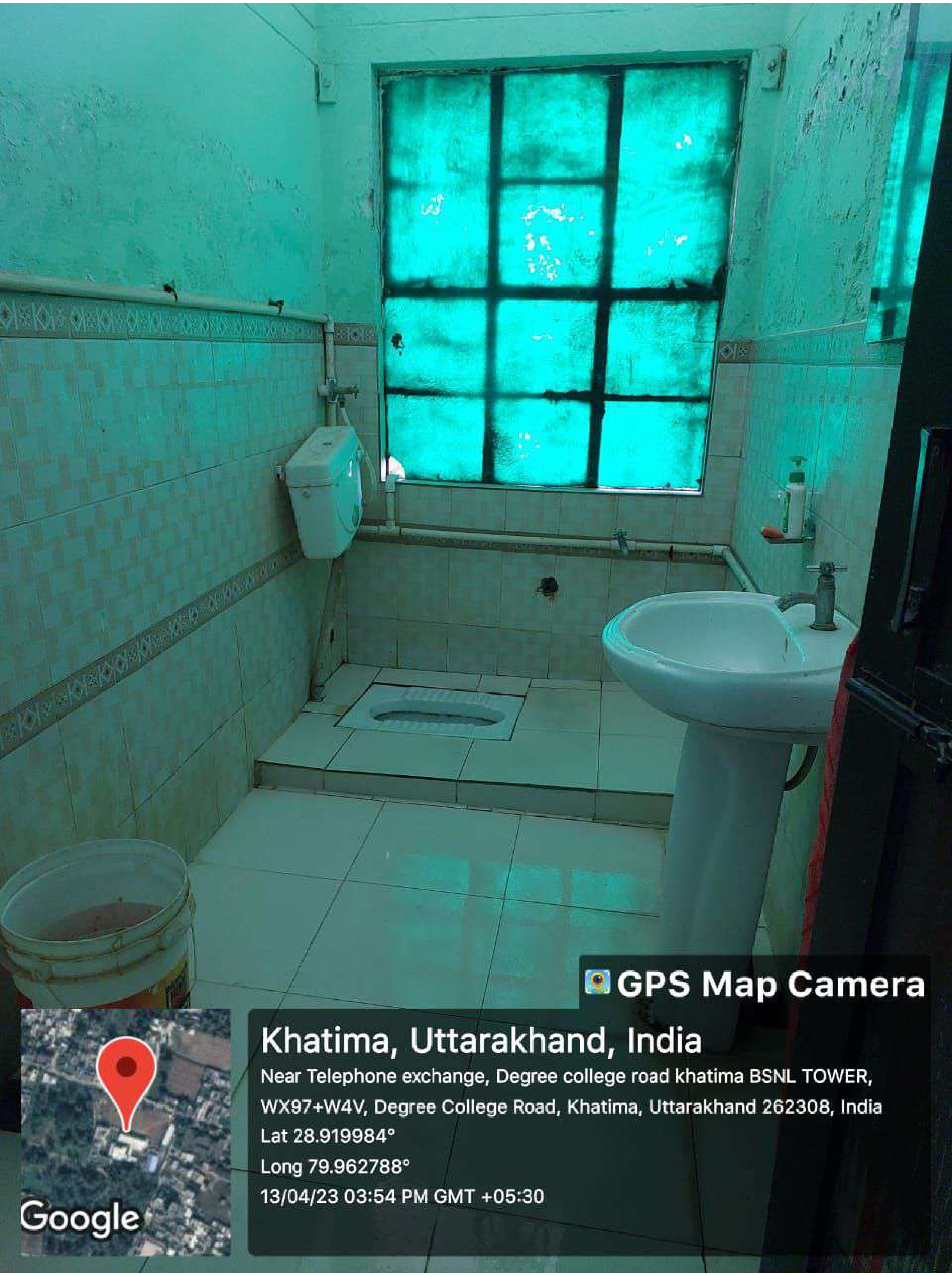
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
Near Telephone exchange, Degree college road khatima BSNL TOWER,
WX97+W4V, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.919984°
Long 79.962788°
13/04/23 03:54 PM GMT +05:30
Google

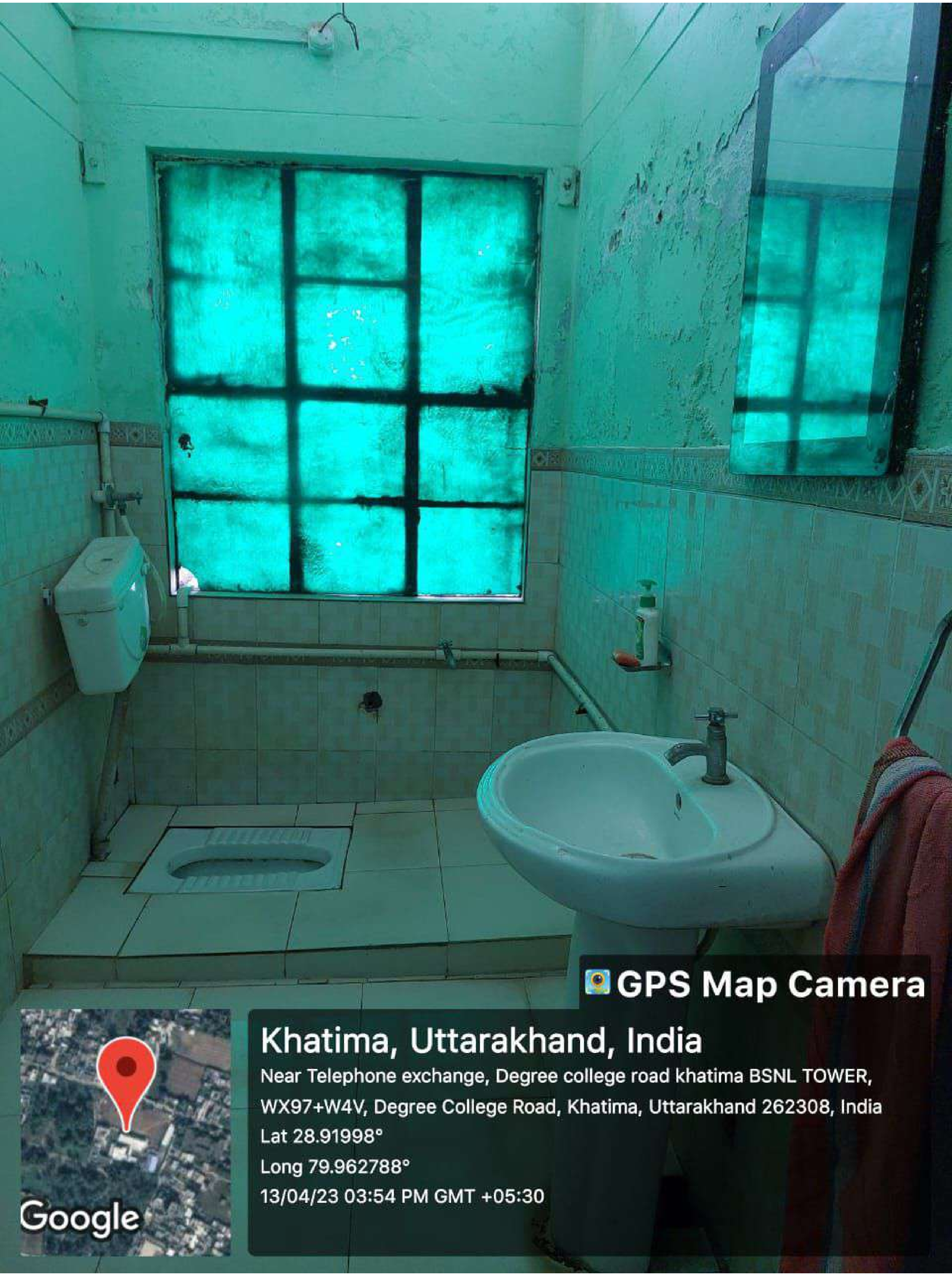
GPS Map Camera
Khatima, Uttarakhand, India
Near Telephone exchange, Degree college road khatima BSNL TOWER,
WX97+W4V, Degree College Road, Khatima, Uttarakhand 262308, India
Lat 28.91998°
Long 79.962788°
13/04/23 03:54 PM GMT +05:30
Google